

दैनिक

मीडिया ऑडिटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

गोवा-दिल्ली फ्लाइट के इंजन में खराबी

गोवा एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

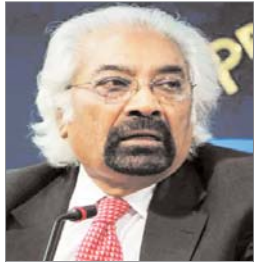


नई दिल्ली, एजेंसी। गोवा से दिल्ली जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 2102 को उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद एक इंजन में तकनीकी खराबी की सूचना मिली। इसके बाद विमान को वापस मनोहर इंटरनेशनल एयरपोर्ट (मोपा) लाया गया।

फ्लाइट ने सुबह 9:16 बजे उड़ान भरी थी और 9:30 बजे सुरक्षित लैंडिंग की। Flightradarwy के डेटा के मुताबिक, वापस मुड़ते समय विमान करीब 14 हजार फीट की ऊंचाई पर था। विमान में 229 यात्री सवार थे।

इंजन में खराबी के कारणों की जांच शुरू: इंडिगो ने बताया कि विमान की फिलहाल मेटेनेंस जांच की जा रही है। सभी जरूरी मंजूरियां मिलने के बाद ही विमान दोबारा उड़ान भरेगा। कंपनी ने कहा कि असुविधा को कम करने के लिए यात्रियों को खाने-पीने की चीजें उपलब्ध कराई गईं और उन्हें समय-समय पर जानकारी दी गई। यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी की गई है।

पित्रोदा बोले- गरीब-दलित, अल्पसंख्यकों की बात करना दिमागी नक्सल नहीं



नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने पीएम मोदी, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और केंद्र सरकार पर कई मुद्दों को लेकर निशाना साधा। उन्होंने प्रधानमंत्री के 'दिमागी नक्सल' वाले बयान पर कहा कि गरीबों, दलितों और अल्पसंख्यकों के पक्ष में बोलना नक्सलवाद या कम्युनिज्म नहीं है।

न्यूज एजेंसी ANI से बातचीत में मंगलवार को पित्रोदा ने कहा कि इंसानियत को हर चीज से ऊपर रखना चाहिए और सभी लोग एक ही जगह से आए हैं। वहीं, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर उन्होंने कहा कि भूमिगत, ईसाई, बौद्ध और यहूदी लोगों से पूछना चाहिए कि वे आज भारत में कैसा महसूस करते हैं। दरअसल, 15 अगस्त के पाणश में मोदी ने कहा था कि देश से नक्सलवाद खत्म हो गया, लेकिन दिमागी नक्सल अभी भी मौजूद है।

अयोध्या में राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक आज

अयोध्या, एजेंसी। रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक 2 सितंबर को दोपहर 3 बजे होगी। मणिराम दास जी की छावनी में आयोजित इस बैठक में सबसे पहले ट्रस्ट के सीईओ की घोषणा किए जाने की संभावना है। बैठक में प्रसाद समिति और परिक्रमा समिति के गठन की भी घोषणा हो सकती है। धार्मिक समिति के सदस्यों की संख्या बढ़ने और ट्रस्ट में खाली पड़े सदस्यों के पदों को भरने पर भी फैसला हो सकता है।

इससे पहले, मंगलवार को राम मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि, ट्रस्ट के सदस्य दिनेश दास और ट्रस्ट के महासचिव कृष्ण मोहन राम जन्मभूमि परिसर स्थित ग्रीन हाउस पहुंचे। सीईओ की भर्ती करने वाली चयन समिति के तीनों सदस्य भी राम मंदिर पहुंच चुके हैं।

एससीओ समिट: बैठक तय नहीं थी, फिर भी मिले मोदी-जिनपिंग

हाथ मिलाया, बातचीत की; मोदी बोले- आतंकवाद के पूरे तंत्र का खात्मा जरूरी

बिश्के के क. ए. जे. सी।। किर्गिस्तान के बिश्केक में एससीओ समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अचानक मुलाकात हुई। दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया और कुछ देर बातचीत की। दोनों के बीच अलग से द्विपक्षीय बैठक पहले से तय नहीं थी।

इस दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन भी दोनों नेताओं के साथ नजर आए। एससीओ समिट में अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुट कार्रवाई की जरूरत बताई।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मौजूदगी में उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ एकजुट कार्रवाई की जरूरत बताई।

मुद्दे पर दोहरा खैया नहीं होना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करने पर जोर दिया।

पुतिन ने सेकेंड वर्ल्ड वॉर की याद दिलाई: रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने द्वितीय विश्व युद्ध शुरू होने के 87 साल पूरे होने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ऐसी वैश्विक उकसावे वाली घटनाएं नहीं होनी चाहिए, जो नए युद्ध को जन्म दें। पुतिन ने कहा कि देशों को मिलकर काम करना होगा, ताकि दुनिया में नए संघर्षों को भड़काने से रोका जा सके। उन्होंने कहा कि मौजूदा सहयोग और प्रयास इस लक्ष्य को हासिल करने में मदद करेंगे।

मोदी ने कहा कि आतंकवाद की फौंडिंग, आतंकियों की भर्ती, कट्टरपंथ और सुरक्षित पनाहगहों को खत्म करना जरूरी है। इस मुद्दे पर सभी देशों को एक सुर में बात करनी चाहिए और दोहरे खैये की कोई जगह नहीं होनी चाहिए।



एससीओ समिट में मोदी बोले- आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करना जरूरी...

मोदी ने मंगलवार को 26वें शंघाई सहयोग संगठन (SCO) समिट में आतंकवाद के खिलाफ एकजुट कार्रवाई की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि सिर्फ आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई और जवाबी कार्रवाई से काम नहीं चलेगा, बल्कि आतंकवाद के पूरे तंत्र को खत्म करना होगा।

जीडीपी वृद्धि: मोदी की फिर अपील-जरूरत न हो तो सोना नहीं खरीदें

● वैश्विक संकट में भारत की जीडीपी 7.8% दर से बढ़ी ● यह देशवासियों की मेहनत का नतीजा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जीडीपी ग्रोथ रेट 7.8% रहने पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि यह उपलब्धि देशवासियों की इच्छाशक्ति, मेहनत और सामूहिक ताकत का नतीजा है।

पीएम ने एक बार फिर लोगों से गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने की अपील की। उन्होंने कहा, 'अगर जरूरत न हो तो सोना नहीं खरीदना चाहिए।' इससे पहले 11 मई को भी क़रुने देशवासियों से सोना नहीं खरीदने की अपील की थी।

पीएम बोले- कुछ लोग 'झूठ की गुंज' के सहारे माहौल खराब करने में लगे: पीएम मोदी ने कहा- देश के अंदर कुछ लोग निराशा फैलाने की अपील की थी।

और 'झूठ की गुंज' के सहारे माहौल खराब करने में लगे हैं। इन सभी चुनौतियों को पार करते हुए भारत ने 7.8% की विकास दर हासिल की है। देश को यही रफ्तार बनाए रखनी होगी



और आगे भी तेजी से विकास करना होगा।

उन्होंने कहा, विदेश में घूमने के लिए यात्राएं करने और विदेश में शादी करने से बचना चाहिए। लोगों को मेक इन इंडिया के मंत्र के साथ आगे बढ़ना चाहिए। पीएम ने यह भी कहा, जितना ज्यादा स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर जोर दिया जाएगा, भारत उतनी ही मजबूती से आगे बढ़ेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि जब भारत अपनी आजादी के 100 साल पूरे करेगा, तब देश की युवा पीढ़ी को एक विकसित भारत सौंपा जाएगा।

खरगे का पीएम से सवाल- जनता के लिए कहां है जश्न

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि का जश्न मनाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि आम लोग अब भी बेरोजगारी, महंगाई और असमानता से जूझ रहे हैं।

एक्स पर साझा किए गए पोस्ट में खरगे ने कहा, 'लाइट्स। कैमरा और निष्क्रियता।' जब अर्थव्यवस्था की बात आती है तो पीएम मोदी के प्रचार की यही कहानी है।' उन्होंने कहा, 'पीएम नरेंद्र मोदी, आप कह रहे हैं कि देश जीडीपी वृद्धि का जश्न मना रहा है। आपके पास यह सुविधा हो सकती है, लेकिन आम आदमी के पास नहीं है। हमारे आम लोग तीन 'यू' से परेशान हैं और इसके लिए आप जिम्मेदार हैं।



कांग्रेस का हल्लानी शुद्धिकरण के विरोध में सचिवालय कूच

पुलिस ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष-यशपाल आर्य को घसीटा:

» गाड़ियों में ठूसा, रावत की तबीयत बिगड़ी, इमरजेंसी में भर्ती

देहरादून, एजेंसी। देहरादून में कांग्रेस के सचिवालय कूच के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की हुई। राहुल गांधी के खिलाफ सख्कृत दर्ज होने के दो दिन बाद कांग्रेस ने मंगलवार को सचिवालय कूच किया। पार्टी

का कहना है कि मल्लिकार्जुन खड़गे के कथित 'शुद्धिकरण' मामले में अब तक कार्रवाई नहीं हुई है।



नेपाल में फिर बाढ़ का अलर्ट, नदियों का जलस्तर बढ़ा:

मौत का आंकड़ा 1 हजार के पार हुआ, सबसे ज्यादा चितवन में 321 शव

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में नदियों का जलस्तर बढ़ने के बाद 7 जिलों में बाढ़ का नया अलर्ट जारी किया गया है। अधिकारियों ने रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा, तनहुं, नवलपरासी और चितवन जिलों में नदियों के किनारे बसे इलाकों के लिए चेतावनी जारी की है। 26 अगस्त को तिब्बत में रेशियर टूटने के बाद नेपाल के कई इलाकों में अचानक बाढ़ और भूस्खलन हुआ। इस आपदा में मौत का आंकड़ा 1 हजार के पार हो चुका है। नेपाल में 987 और तिब्बत में 16 लोगों

को भी पुलिसकर्मियों ने बस में बैठाया था। मौके पर अन्य कार्यकर्ताओं को भी पुलिस ने हिरासत में लेकर गाड़ियों में ठूसा। कांग्रेस ने इस मामले में पहले थाने-चौकियों में शिकायतें दी थीं और डीजीपी कार्यालय के बाहर उपवास किया था। वहीं, प्रदर्शन के बाद कांग्रेस की चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष हरक सिंह रावत की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें देहरादून के अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया है।



एक लाख पर तीन परिवारों का दावा, डीएनए जांच होगी...

नेपाल में बाढ़ के बाद शवों की पहचान करना मुश्किल हो गया है। पोखरा के एक अस्पताल में रखे गए शव नंबर 1003 पर तीन परिवारों ने दावा किया है। अब इसकी पहचान डीएनए टेस्ट से होगी।

की मौत हुई है। चितवन में अब तक सबसे ज्यादा 321 शव बरामद हुए हैं। जबकी 4400 से ज्यादा लोग लापता हैं।

फेसबुक-इंस्टाग्राम पर पोर्न ऐप की आड़ में यूजर्स के साथ हो रही धोखाधड़ी, साइबर एजेंसी ने चेताया

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के तहत नेशनल साइबरक्राइम थेट एनालिटिक्स यूनिट (NCTAU) ने यूजर्स को चेतावनी दी है कि पोर्न ऐप बनकर आने वाले खतरनाक दुसहथड्डस ऐप्स के जरिए वित्तीय धोखाधड़ी हो रही है।

ये ऐप्स डाउनलोड होने पर एक्ससेसिबिलिटी परमिशन का गलत इस्तेमाल करके यूजर्स के डिवाइस का कंट्रोल अपने हाथ में ले लेते हैं। इंस्टॉल होने के बाद, ऐप ऐसी परमिशन मांगता है जिससे वह और ऐप्स इंस्टॉल कर सके। इससे धोखाधड़ी करने वालों को डिवाइस का कंट्रोल मिल जाता है और वे वित्तीय धोखाधड़ी कर सकते हैं।

कुछ ऐप्स VPN भी इंस्टॉल करते हैं, जिसका इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों से जुड़े इंटरनेट ट्रैफिक को रूट करने के लिए किया जा सकता है।

भरोसेमंद स्टोर से ही ऐप्स

इंस्टॉल करें: ऐप यूजर्स को डिवाइस सेटिंग्स के जरिए इसे अनइंस्टॉल करने से भी रोक सकता है। एडवाइजरी में यूजर्स से कहा गया है कि वे केवल प्ले स्टोर या भरोसेमंद स्टोर से ही ऐप्स इंस्टॉल करें।

फेसबुक और इंस्टाग्राम पर आमक विज्ञापनों के जरिए...

NCTAU ने कहा कि Night Play, Reeloo, Kyss, Riva, Vima, Nexa और Vixa जैसे नामों से फेसबुक और इंस्टाग्राम पर भ्रामक विज्ञापन यूजर्स को पोर्नोग्राफिक कंटेंट वाली फिशिंग वेबसाइटों पर भेज रहे थे। इन वेबसाइटों पर गूगल प्ले स्टोर के बाहर से APK फाइल डाउनलोड करने का प्रॉम्ट दिया जाता था।



बस दुष्कर्म केस: राहुल गांधी बोले- 47 किमी. तक दरिंदगी, किसी को पता नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी ने दिल्ली में 16 साल की नाबालिग से स्लीपर बस में गैंगरेप का मामला सामने आया था। पुलिस के मामले को लेकर केंद्र के साथ दिल्ली और उत्तर प्रदेश सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 47 किमी चलती बस में लड़की के साथ गैंगरेप हुआ, लेकिन पुलिस को इसकी जानकारी तक नहीं हुई।

दरअसल, सोमवार को दिल्ली में नाबालिग से चलती स्लीपर बस में गैंगरेप का मामला सामने आया था। पुलिस के मुताबिक, घटना 4 अगस्त की है, जिसकी जानकारी पुलिस ने 31 अगस्त को दी।

राहुल बोले- ये सरकार की नाकामी: राहुल गांधी ने मंगलवार को झू पर पोस्ट कर कहा, 'दिल्ली महिलाओं के लिए असुरक्षित हो गई है।



राहुल पर भाजपा हमलावर

रविशंकर प्रसाद ने कहा- देश की छवि को कर रहे धूमिल, पीएम ने चुनौतियों को अवसर में बदला

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, 'लोग उन्हें गंभीरता से नहीं लेते, लेकिन एक देश ऐसा है जो उनकी सभी बातों से बहुत प्रभावित होता है; और उस देश का नाम है पाकिस्तान। वे उनकी ऐसी सभी बातों को उठाते हैं और उन्हें हाईलाइट करते हुए कहते हैं, 'विपक्ष के नेता भारतीय अर्थव्यवस्था की खराब हालत के बारे में बात कर रहे हैं।



संक्षिप्त समाचार

यौड़ा में घरों की बढ़ती मांग पर बड़ा दांव, ग्रुप हाउसिंग के पांच भूखंडों की योजना जल्द होगी लॉन्च

ग्रेंटर नोएडा, एजेंसी। यमुना प्राधिकरण आवासीय मांग को पूरा करने के लिए ग्रुप हाउसिंग भूखंड की योजना निकालने जा रहा है। योजना में पांच भूखंड शामिल हो सकते हैं। प्राधिकरण ई नीलामी के जरिये भूखंडों का आवंटन करेगा। इसके साथ ही बड़े ग्रुप हाउसिंग भूखंडों को छोटे आकार में बांटकर उनकी योजना निकालने पर विचार किया जा रहा है। यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में आवास की मांग लगातार बढ़ रही है। प्राधिकरण की आवासीय भूखंड योजना में लाखों की संख्या में आवेदन होते हैं, जबकि भूखंडों की संख्या इसके सौपेक्ष बेहद कम रहती है। आवास की मांग को देखते हुए प्राधिकरण भूखंड योजनाओं के साथ ग्रुप हाउसिंग श्रेणी में भी भूखंड योजना निकालने की तैयारी कर रहा है। जल्द ही इस योजना को लांच कर दिया जाएगा। राजस्व प्राप्ति के लक्ष्य को पूरा करने के लिए ग्रुप हाउसिंग भूखंड योजना प्राधिकरण के लिए अहम साबित हो चुकी है। सीईओ राकेश कुमार सिंह का कहना है कि जल्द ही ग्रुप हाउसिंग योजना को अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

बड़े भूखंडों का छोटे आकार में करने का प्रस्ताव: प्राधिकरण के पास ग्रुप हाउसिंग श्रेणी के भूखंड का आकार काफी बड़ा है, लेकिन इसकी कीमत अधिक होने के कारण कई बार बिड्डर बड़े भूखंड की योजना से बचते हैं। वहीं दूसरी मुख्य कारण जमीन को लेकर कानूनी विवाद भी हैं। जमीन के कुछ हिस्से को लेकर न्यायालय में वाद होने के कारण प्राधिकरण उस भूखंड को योजना में शामिल नहीं कर पाता है। इसलिए बड़े भूखंड के कानूनी अड़चन वाले हिस्से को हटाते हुए छोटे आकार में बांटकर भूखंड योजना लाने पर भी विचार हो रहा है।

संक्रामक रोगों का हॉटस्पॉट बना मेरठ मंडल, स्वाइन फ्लू-डेंगू के 435 मामले आए सामने; सर्व पर भी उठे सवाल



गाजियाबाद, एजेंसी। शासन स्तर से आये दिन जारी होने वाले दिशा निर्देशों के बाद भी एक जुलाई से शुरू होकर 31 जुलाई तक संचालित होने वाला डेंगू, डू, खोर संचारी रोग नियंत्रण अभियान बेअसर हो रहा है। कम से कम मेरठ मंडल के छह जिलों की ताजा रिपोर्ट से तो यह साफ लगता है। 31 अगस्त देर शाम को जारी की गई रिपोर्ट बयान कर रही है कि मेरठ मंडल संक्रामक रोगों का हाट स्पॉट बनता जा रहा है। मेरठ मंडल में स्वाइन फ्लू के संग डेंगू ने भी पैर पसारने शुरू कर दिये हैं।अगस्त तक मंडल के छह जिलों में स्वाइन फ्लू के 302 और डेंगू के 133 केस मिल चुके हैं।

कमजोर पड़ रहे सर्वे: मलेरिया के 83,स्कब टायफस के 25,लेप्टोस्पायरोसिस के 27 और चिकनगुनिया का भी एक केस मिल चुका है। खास बात यह है कि शासन स्तर से रोज समीक्षा होने के बाद भी संचारी रोगों पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है। सर्वे भी कमजोर पड़ रहा है। अधिकांश केस प्राइवेट लैबों में जांच के बाद पुष्ट किये जा रहे हैं। जिले वार गतिज सर्विलांस विंग और मलेरिया अनुभाग की गतिविधियां भी संचारी रोग बढने पर सवालों के दायरे में आ रही हैं। हर साल सर्वे एवं एंटी लावां स्प्रे और लावां नष्ट करने के लिये ब्रीड चेकर रखे जाते हैं। कीटनाशक दवाओं का छिड़काव भी कराया जाता है।

हाथ-पैर बांधे, बेड़ियों में कसा पेट अमेरिका से लाइबेरिया-गिनी भेजे गए प्रवासियों की खौफनाक दास्तान

मोनरोविया (लाइबेरिया), एजेंसी। लुइसियाना से पश्चिमी अफ्रीका जा रही एक चार्टर्ड फ्लाइट में क्यूबाई नागरिक लियोनार्डो सांचेज (49) दर्द से तड़पते हुए घंटों तक छोटे बच्चे की तरह रोते रहे। उनके हाथ-पैर भारी लोहे की हथकड़ियों में जकड़े थे, और कमर में बंधी सख्त लोहे की बेड़ी उनके पेट में धंस रही थी, जिससे पुरानी सर्जरी और गोलियों के धावों के चलते उन्हें बेतहाशा दर्द हो रहा था। सांचेज ने प्लेन में तैनात अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट (आईसीई) के अधिकारियों से हाथ जोड़कर मीडिकल मदद और टॉयलेट जाने की गुहार लगाई। लेकिन अधिकारियों ने बेड़ियां खोलने से साफ इन्कार कर दिया। दर्द और बेबसी के बीच सांचेज की पैट में ही पेशाब छूट गया। यह दास्तान अकेले सांचेज की नहीं, बल्कि अमेरिका से 14 घंटे की उड़ान भरकर अफ्रीकी देश लाइबेरिया और इक्वेटोरियल गिनी पहुंचे उन दर्जनों प्रवासियों की है, जिन्हें ट्रंप प्रशासन की नई थर्ड-कंट्री डिपोर्टेशन नीति के तहत ऐसे अनजान देशों में

दिल्ली-जयपुर हाईवे का सफर होगा आसान, गुरुग्राम में अक्टूबर में खुलेंगे बिलासपुर और राठीवास फ्लाईओवर

गुरुग्राम, एजेंसी। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर बिलासपुर और राठीवास में जाम से परेशान हजारों वाहन चालकों के लिए राहत की उम्मीद है। दोनों स्थानों पर निर्माणाधीन फ्लाईओवर को अगले महीने यातायात के लिए खोलने की तैयारी है। बिलासपुर फ्लाईओवर का दिल्ली-जयपुर हाईवे वाला एक हिस्सा अक्टूबर में शुरू होगा, जबकि राठीवास फ्लाईओवर के दोनों हिस्से भी अक्टूबर में खोलने की तैयारी है। फिलहाल सबसे खराब स्थिति बिलासपुर चौक पर है। कई दिशाओं से आने वाली सड़कें यहां दिल्ली-जयपुर हाईवे से जुड़ती हैं। फ्लाईओवर निर्माण के कारण मुख्य मार्ग पर वाहनों के लिए जगह सीमित हो गई है। पीक आवर में करीब दो मिनट का रास्ता तय करने में वाहन चालकों को दो घंटे तक लग जाते हैं। रात के समय भी जाम लगने से लोगों को परेशानी होती है। निर्माण क्षेत्र के कारण हाईवे पर चलने वाले वाहनों को चौक के आसपास से गुजरना पड़ता है, जिससे सर्विस रोड पर भी भारी दबाव है।

एक हिस्सा खुलने से मुख्य मार्ग पर बढ़ेगी क्षमता: बिलासपुर चौक पर फ्लाईओवर का निर्माण तेज गति से चल रहा है। यातायात के



भारी दबाव के बीच निर्माण कार्य करना चुनौतीपूर्ण है। इसके बावजूद परियोजना को चरणबद्ध तरीके से यातायात के लिए खोलने की तैयारी है। अक्टूबर में दिल्ली-जयपुर हाईवे वाला एक हिस्सा चालू होने के बाद मुख्य मार्ग पर वाहनों के लिए अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध होगी। एक हिस्सा शुरू होने से ही मौजूदा यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है। पूरे फ्लाईओवर को दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। फ्लाईओवर का एक हिस्सा शुरू होने के बाद लंबी दूरी के वाहनों

को बिलासपुर चौक पर रुकने की जरूरत कम होने उम्मीद है।

राठीवास में दोनों हिस्से एक साथ खोलने की तैयारी: राठीवास में फ्लाईओवर का निर्माण भी अंतिम चरण में है। यहां दोनों हिस्सों को अक्टूबर से यातायात के लिए स्थायी रूप से खोलने की तैयारी है। इससे राठीवास चौक पर हाईवे के सीधे यातायात को अलग मार्ग मिलने की उम्मीद है। वर्तमान में निर्माण क्षेत्र के कारण वाहनों की गति प्रभावित होती है। थोड़ी सी अव्यवस्था होने पर वाहनों की कतार पीछे तक

लग जाती है।

गुरुग्राम से रेवाड़ी का 55 किमी सफर जाम में हो रहा लंबा: बिलासपुर और राठीवास दोनों जगह फ्लाईओवर शुरू होने के बाद दिल्ली-जयपुर हाईवे पर गुरुग्राम से रेवाड़ी की तरफ जाने वाले यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। गुरुग्राम से रेवाड़ी की दूरी करीब 55 किलोमीटर है। सामान्य स्थिति में यह दूरी करीब एक घंटे में तय होनी चाहिए, लेकिन जाम के कारण पीक आवर में ढाई से तीन घंटे और कई बार रात में भी तीन से चार घंटे तक लग जाते हैं।

सर्विस रोड की चौड़ाई और जलनिकासी पर उठे सवाल: बिलासपुर चौक के आसपास सर्विस रोड ट्रैफिक के दबाव के हिसाब से काफी संकरी है। जगह-जगह गड्ढे भी बने हुए हैं। वर्षा के दौरान इनमें पानी भरने से स्थिति और खराब हो सकती है। सेक्टर-40 के रहने वाले इंजीनियर हरमेश वर्मा और सेक्टर-49 के अजय चौहान का कहना है कि फ्लाईओवर स्थायी समाधान की दिशा में बड़ा कदम है, लेकिन निर्माण पूरा होने तक सर्विस रोड ही यातायात का सबसे महत्वपूर्ण सहारा है।

डीयू एनसीडब्ल्यूईबी की पांचवीं कटऑफ जारी: बीए में सामान्य वर्ग की सीटें लगभग खत्म, बीकाम में 14 सेंटरों पर मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय के नान-कालेजिएट यूनेन एजुकेशन बोर्ड (एनसीवैब) ने दाखिले के लिए सामान्य वर्ग की छात्राओं के लिए बीए प्रोग्राम में अवसर अब बेहद सीमित रह गए हैं। पांचवीं कटऑफ में अधिकांश कालेज सेंटरों पर बीए प्रोग्राम इतिहास-राजनीति विज्ञान संयोजन में सामान्य वर्ग की सीटें भर चुकी हैं। इसके उलट बीकाम प्रोग्राम में सामान्य वर्ग की छात्राओं के लिए अभी भी 14 कालेज सेंटरों पर दाखिले का विकल्प खुला है। ऐसे में बीए की तुलना में बीकाम सामान्य वर्ग की छात्राओं के लिए अधिक राहत लेकर आया है।

पांचवीं कटऑफ जारी की: एनसीवैब ने पांचवीं कटऑफ जारी कर दी है। इसके आधार पर छात्राएं एक और दो सितंबर को दाखिला ले सकेंगी। बीए प्रोग्राम इतिहास-राजनीति विज्ञान संयोजन में अदिति और भगिनी निवेदिता कालेज सेंटर पर सामान्य वर्ग की कटऑफ 38 प्रतिशत रही। डा. बीआर अंबेडकर कालेज में 57



प्रतिशत, भारती कालेज में 67 प्रतिशत और सत्यवती कालेज ईवनिंग में 45 प्रतिशत पर दाखिला मिलेगा। बीए में सामान्य वर्ग की सीटें कई सेंटरों पर भर चुकी हैं। वहीं एससी, एसटी, ओबीसी, इंडब्ल्यूएस और पीडब्ल्यूडी वर्ग की छात्राओं के लिए अभी अवसर बने हुए हैं। विभिन्न सेंटरों पर इन वर्गों में 35 से 79.5 प्रतिशत तक की कटऑफ पर दाखिला दिया जा रहा है। हालांकि कटऑफ कालेज सेंटर के अनुसार अलग-अलग है।

12 सेंटरों पर सामान्य वर्ग के दाखिले बंद: बीकाम में कुल 26 कालेज सेंटरों में से 12 पर सामान्य वर्ग के दाखिले बंद हो

चुके हैं, जबकि 14 सेंटरों पर अभी सीटें उपलब्ध हैं। इन सेंटरों पर अलग-अलग कटऑफ के आधार पर 35 से 45 प्रतिशत तक पर दाखिला मिल सकता है। अदिति और भगिनी निवेदिता कालेज सेंटर पर सभी श्रेणियों की छात्राओं के लिए बीकाम की कटऑफ 35 प्रतिशत रखी गई है। वहीं हंसराज कालेज सेंटर ने बीकाम में ओबीसी के लिए 79.25, एसटी के लिए 74, इंडब्ल्यूएस के लिए 79.25 और पीडब्ल्यूडी के लिए 69.25 प्रतिशत कटऑफ जारी की है। मिरांडा हाउस में ओबीसी की कटऑफ 79, इंडब्ल्यूएस की 79.25 और पीडब्ल्यूडी की 69.25 प्रतिशत रही।

एपल मैक्स पर दिखेगा 'लेक अमेरिका' नाम: ट्रंप ने कंपनी को दिए निर्देश; कनाडा क्यों कर रहा विरोध

शिकागो, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एपल से अपने नक्शे वाले एप में ओंटारियो झील का नाम बदलकर 'लेक अमेरिका' करने को कहा है। ट्रंप प्रशासन के गृह मंत्री डग बर्गम ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह बात ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के कुछ दिन बाद सामने आई है, जो अब कनाडा के साथ बढ़ते व्यापार युद्ध के बीच चर्चा में है। गृह मंत्री डग बर्गम ने फॉक्स न्यूज से कहा कि ट्रंप ने 'सीधे एपल से संपर्क किया है'। उन्होंने कहा कि उन्हें भरोसा है कि जल्द ही एपल के प्लेटफॉर्म पर 'लेक अमेरिका' नाम दिखाई दे सकता है। एपल ने सोमवार को इस मामले पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। लंबे समय से ओंटारियो लेक के नाम से जानी जाने वाली यह झील अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य और कनाडा के ओंटारियो प्रांत के बीच है। ग्लूगल मैप्स ने नाम कब बदला अमेरिका में एपल के प्रतिद्वंद्वी ग्लूगल मैप्स ने पिछले सालाह ही अपने अमेरिकी यूजर्स को लिए नया नाम दिखाना शुरू कर दिया। कंपनी ने इसके लिए ट्रंप के हालिया आदेश का हवाला दिया। साथ ही उसने अपनी पहले से चली आ रही नीति का भी जिक्र किया।



अमेरिका में 40 करोड़ डॉलर के बॉलरूम को सुप्रीम कोर्ट से हरी झंडी, विश्वेक में विश्व घुमंतू खेल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को व्हाइट हाउस को 40 करोड़ डॉलर के बॉलरूम परियोजना पर निर्माण जारी रखने की अनुमति दी। यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक जीत है। मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने इस आदेश से असहमति जताई। उन्होंने तीन उदारवादी न्यायाधीशों के साथ इसे 'संभवतः गैरकानूनी' बताया। बहुमत ने परियोजना

की वैधता पर निर्णय नहीं दिया। उन्होंने पाया कि नेशनल ट्रस्ट फॉर हिस्टोरिक प्रिजर्वेशन के पास इसे चुनौती देने का कानूनी अधिकार नहीं था। ट्रंप प्रशासन ने हस्तक्षेप का अनुरोध किया था। निचली अदालतों ने कांग्रेस की मंजूरी न होने के कारण काम रोकने का आदेश दिया था। प्रशासन ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया। 90,000 वर्ग फुट का यह

बॉलरूम अगस्त 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है। विश्वेक में विश्व घुमंतू खेलों का उद्घाटन, प्रधानमंत्री मोदी भी रहे मौजूद : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को किर्गिज राजधानी बिश्केक में विश्व घुमंतू खेलों के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। इस दौरान उनके साथ कई एससीओ नेता भी मौजूद थे। इन्होंने रुसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन

और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेइशकयन शामिल थे। खेलों का छठा संस्करण किर्गिस्तान में 31 अगस्त से 6 सितंबर तक आयोजित किया जा रहा है। मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए किर्गिस्तान में हैं। उन्होंने उद्घाटन समारोह में भारतीय दल का अभिवादन किया।

राधा उपाध्याय बनीं ओवरआल तीज क्वीन, देहरादून तीज महोत्सव में बिखरे लोक संस्कृति के रंग

देहरादून, एजेंसी। लाडपुर-तपोवन रोड स्थित ब्लाक सभागार में आयोजित तीज महोत्सव में महिलाओं ने लोक संस्कृति का संदेश देते हुए गीत और नृत्य की प्रस्तुति से रंग जमाया। लोकगायिका पूरम सती के गीतों पर महिलाएं झूम उठीं। राधा उपाध्याय ने ओवरआल तीज क्वीन का खिताब जीता। महोत्सव में लोक नृत्य, कथक, योग और फिल्मी गीतों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं। तीज के रंग में सजी महिलाओं ने रैंप वाक के साथ सावन के गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। इस दौरान तीज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। 40 से कम



आयुवर्ग में राधिका बड़धवाल प्रथम, मीनाक्षी सेमवाल द्वितीय, जबकि सोनिया तृतीय रहीं। 40 से अधिक आयुवर्ग में अलकनंदा सेमवाल बहुगुणा प्रथम,

मोनिका द्वितीय, जबकि भावना ने तृतीय स्थान हासिल किया। मुख्य अतिथि रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ, विशिष्ट अतिथि महापौर सौरभ थपलियाल व महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल ने विजेताओं को सम्मानित किया। कार्यक्रम के संयोजक पूर्व पार्षद कविंद्र सेमवाल ने कहा कि इस तरह के आयोजन आगे भी किए जाएंगे। इस मौके पर पार्षद अभिषेक पंत, कपिल धर, विजय लक्ष्मी, पूजा नेगी, प्रशांत डोभाल, रायपुर मंडल अध्यक्ष उज्ज्वल नेगी, पूर्व अध्यक्ष रुद्रेश शर्मा, राकेश थपलियाल आदि मौजूद रहे।

दुष्कर्म के दोषी गुरमीत सिंह की अमेरिकी नागरिकता रद्द 20 साल की सजा काट रहा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने भारतीय मूल के एक व्यक्ति की नागरिकता रद्द कर दी है। वह दुष्कर्म के मामले में दोषी पाया गया था। न्यूयॉर्क की जिला अदालत ने गुरमीत सिंह की अमेरिकी नागरिकता रद्द करने का फैसला सुनाया। गुरमीत सिंह दुष्कर्म के मामले में दोषी ठहराया जा चुका है। भारत में जन्मा गुरमीत सिंह फरवरी 1992 में अमेरिका गया था। वह यूएन के लिए अमेरिका गया था। उसे अधिकतम छह महीने तक अस्थायी रूप से अमेरिका में रहने की अनुमति थी। इसके बाद गुरमीत सिंह कई साल तक बिना अनुमति के अमेरिका में रहा। बाद में परिवार के आधार पर दिए



गए प्रवासी वीजा के आवेदन के कारण जून 2000 में उसे अमेरिका का स्थायी निवासी बनने की अनुमति मिल गई। **अमेरिकी अटॉर्नी जनरल ने क्या कहा:** अमेरिका के अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लॉश ने कहा कि भारत का रहने वाला और दुष्कर्म का दोषी गुरमीत सिंह अब अमेरिकी नागरिक नहीं है। उन्होंने कहा कि गुरमीत सिंह ने अमेरिकी नागरिकता लेने की

प्रक्रिया के दौरान दुष्कर्म और अपहरण की घटना छिपाई थी। अब संघीय अदालत ने उसकी नागरिकता रद्द कर दी है। ब्लॉश ने कहा कि अमेरिकी नागरिकता अपराधियों के लिए सुरक्षा कवच नहीं है। उन्होंने कहा, धोखे से हासिल की गई नागरिकता अपराधियों को न्याय से नहीं बचाएगी। अमेरिकी न्याय विभाग के नागरिक मामलों के सहायक अटॉर्नी जनरल ब्रेट शुमेट ने कहा कि गुरमीत सिंह ने खौफनाक अपराधों को छिपाकर गैरकानूनी तरीके से अमेरिकी नागरिकता के फायदे हासिल किए थे। न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के अमेरिकी अटॉर्नी जोसेफ नोसेला जूनियर ने कहा कि अदालत के फैसले

के बाद गुरमीत सिंह को गलत तरीके से हासिल की गई नागरिकता वापस करनी होगी। उन्होंने कहा कि इस फैसले से उन लोगों को सख्त संदेश जाता है, जो धोखे से अमेरिकी नागरिकता हासिल करते हैं। उन्होंने कहा कि इससे यह भी साफ होता है कि प्रशासन उन सभी मामलों में नागरिकता रद्द करने की कार्रवाई करेगा, जिनमें कानून इसकी अनुमति देता है और सबूत इसका समर्थन करते हैं।

2011 में महिला यात्री के साथ क्या हुआ था: मई 2011 में यह घटना हुई थी। उस समय गुरमीत सिंह टैक्सी चालक था।

सिंगरौली में माइनिंग क्लोजर पर मंथन, कलेक्टर ने पर्यावरण सुरक्षा और स्थानीय रोजगार पर दिया जोर



मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर गौरव बैनल की अध्यक्षता में माइनिंग क्लोजर कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में

बंद करने, पर्यावरणीय सुरक्षा, खनन क्षेत्रों के पुनर्स्थापन तथा स्थानीय लोगों की आजीविका से जुड़े कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खनन कार्य समाप्त होने के बाद अनुपयोगी खदानों को पर्यावरणीय मानकों और निर्धारित नियमों के अनुरूप सुरक्षित तरीके से बंद किया जाए। उन्होंने कहा कि क्लोजर प्रक्रिया में पर्यावरण संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। अनुपयोगी एवं बंद की जा रही खदानों में संभावानुसार फ्लाइंग ऐश से सुरक्षित भराव कराने तथा इसके बाद संबंधित क्षेत्रों में पौधरोपण और हरित क्षेत्र विकसित करने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि माइनिंग क्लोजर कमेटी फंड का

उपयोग केवल औपचारिक कार्यों तक सीमित न रखते हुए क्षेत्र के समग्र विकास और स्थानीय लोगों की आजीविका को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों में किया जाए। ऐसे प्रोजेक्ट को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए, जिनसे खनन गतिविधियां समाप्त होने के बाद स्थानीय समुदाय के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर पैदा हो सकें। उन्होंने औद्योगिक कंपनियों को अपने-अपने क्षेत्रों के अनुरूप कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां, पारिस्थितिकी पर्यटन, जल संसाधन प्रबंधन, स्वच्छ ऊर्जा, सतत जीवनशैली और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े प्रोजेक्ट तैयार कर आगामी बैठक में प्रस्तुत करने को कहा।

ड्रोन सर्वे के आधार पर तैयार होंगे प्रोजेक्ट: कलेक्टर ने सभी औद्योगिक कंपनियों

को अपने कार्यक्षेत्र का ड्रोन सर्वे कराने के निर्देश दिए। सर्वे के माध्यम से उपलब्ध भूमि, जल संसाधन, हरित क्षेत्र और अन्य संभावनाओं का आकलन कर व्यवहारिक एवं दीर्घकालिक परियोजनाएं तैयार करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि ड्रोन सर्वे के आधार पर तैयार योजनाओं से माइनिंग क्लोजर के बाद क्षेत्रों के बेहतर पुनर्विकास के साथ स्थानीय आजीविका संवर्धन को भी गति मिलेगी। बैठक में माइनिंग क्लोजर प्लान, पर्यावरणीय पुनर्स्थापना, सुरक्षित भराव, प्लांटेशन, आजीविका संवर्धन और क्लोजर फंड से प्रस्तावित कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी कार्य समय-सिमा में गुणवत्ता एवं पर्यावरणीय मानकों के अनुरूप पूरा कराने तथा नियमित निगरानी के निर्देश दिए।

सीधी में भारी बारिश का असर : नर्सरी से कक्षा 8वीं तक के स्कूल 2 सितंबर को रहेंगे बंद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में लगातार हो रही अत्यधिक वर्षा को देखते हुए प्रशासन ने विद्यार्थियों की सुरक्षा के मद्देनजर बड़ा निर्णय लिया है। कलेक्टर विकास मिश्रा ने आदेश जारी कर सीधी जिले में संचालित सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में नर्सरी से कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिए 2 सितंबर 2026 को अवकाश घोषित किया है। प्रशासन ने यह निर्णय जिले में लगातार बारिश और उससे उत्पन्न संभावित परिस्थितियों को देखते हुए लिया है। कलेक्टर ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्कूल प्रबंधन को आदेश का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

9वीं से 12वीं तक की कक्षाएं रहेंगी जारी: जारी आदेश के अनुसार कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को कक्षाएं पूर्ववत् संचालित होंगी। इन कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित नहीं किया गया है। स्कूलों को निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार कक्षाओं का संचालन करना होगा। वहीं नर्सरी से कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूल बंद रहेंगे। यह आदेश जिले के सभी शासकीय और अशासकीय विद्यालयों पर लागू होगा।

शिक्षकों और कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य: अवकाश केवल नर्सरी से कक्षा 8वीं तक के विद्यार्थियों के लिए घोषित किया गया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि समस्त शिक्षक एवं विद्यालयीन कर्मचारी निर्धारित विद्यालयीन समय में अपने-अपने विद्यालय में उपस्थित रहेंगे। स्कूलों के प्रशासनिक और शैक्षणिक कार्यों को सामान्य रूप से जारी रखने के लिए शिक्षकों एवं कर्मचारियों को विद्यालय पहुंचना होगा। विद्यालय प्रबंधन को स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए हैं।

ऑनलाइन कक्षाएं भी आयोजित की जा सकेंगी: प्रशासन ने विद्यार्थियों को पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए ऑनलाइन शिक्षण का विकल्प भी उपलब्ध रखा है। आदेश के अनुसार विद्यालय की आवश्यकता और निर्धारित समय-सारिणी के अनुरूप ऑनलाइन कक्षाओं का आयोजन किया जा सकता है।

मझौली में पंचायत प्रतिनिधियों का सम्मेलन एवं कार्यशाला आयोजित

वीबी जी राम जी योजना के प्रभावी R यान्वयन पर हुआ मंथन, सांसद डॉ. राजेश मिश्रा और विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने किया मार्गदर्शन



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्रामीण विकास को गति देने और शासन की योजनाओं का लाभ गांव-गांव तक पहुंचाने के उद्देश्य से शासन के निर्देशानुसार जनपद पंचायत मझौली में पंचायत प्रतिनिधियों का सम्मेलन एवं कार्यशाला आयोजित की गई। चंद्रोदर पैलेस, मझौली में आयोजित कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक धौहनी कुंवर

उद्देश्यों, पंचायत स्तर पर इसकी भूमिका और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार एवं आजीविका के अवसरों को मजबूत करने से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी गई।

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता रू सांसद: सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि पंचायतें ग्रामीण विकास की सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं। शासन की योजनाओं को सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उनका लाभ कितनी प्रभावी ढंग से गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से अपील की कि वे वीबी जी राम जी योजना को केवल योजना के रूप में न देखते हुए इसे ग्रामीण परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बनाएं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि और अधिकारी-

कर्मचारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा पात्र परिवारों को योजनाओं की जानकारी एवं लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कार्य करने से पंचायतों में विकास की गति और तेज होगी।

पंचायतें विकास की आधारभूत इकाई - विधायक: विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि गांवों की आवश्यकताओं को सबसे बेहतर तरीके से पंचायत प्रतिनिधि समझते हैं। इसलिए ग्रामीण विकास से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वीबी जी राम जी योजना को माध्यम से ग्रामीण परिवारों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ गांवों में स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

रीवा न्यायालय में एक ही दिन चार मामलों में सजा, हत्या के प्रयास और लूट के आरोपियों को 3 से 7 साल का कारावास

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा न्यायालय में 31 अगस्त का दिन महत्वपूर्ण रहा। अष्टम अपर सत्र न्यायाधीश अनुज त्यागी ने एक ही दिन चार अलग-अलग प्रकरणों में निर्णय सुनाते हुए हत्या के प्रयास, लूट और मारपीट सहित अन्य मामलों में आरोपियों को सजा सुनाई। थाना चोरहटा के अपराध क्रमांक 328/2012 से जुड़े सत्र प्रकरण क्रमांक 18/2013 में सात आरोपियों सनी उर्फ सलविंदर सिंह, यतिन्द्र कुमार, जितेन्द्र कुमार, रवीन्द्र कुमार, सचिन्द्र कुमार, नीतेन्द्र कुमार और हीतेन्द्र कुमार को 3-3 वर्ष के सश्रम कारावास तथा 3-3 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया। वहीं चोरहटा के ही अपराध क्रमांक 327/2012 से

अमलोरी में 100 श्रमिकों की हड़ताल के बाद प्रशासन को ज्ञापन: कंपनी पर नौकरी से निकालने और भुगतान में गड़बड़ी के आरोप

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। एनसीएल अमलोरी परियोजना में कार्यरत करीब 100 श्रमिकों का मामला मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचा। पिछले एक सप्ताह से अपनी मांगों को लेकर हड़ताल कर रहे श्रमिकों ने प्रशासन के समक्ष शिकायत दर्ज कराते हुए अपर कलेक्टर पीएस त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपा। श्रमिकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर गौरव बैनल से भी मुलाकात कर अपनी समस्याएं बताईं। श्रमिकों ने बीआईपीएल-बीपीएल बधेल ज्वाइंट वेंचर कंपनी पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि उन्हें उचित सूचना और कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना काम से हटा दिया गया। श्रमिकों के अनुसार उन्होंने वर्ष 2020 से



जुलाई 2026 तक कंपनी में काम किया, लेकिन इस अवधि से संबंधित बोनस, ग्रेजुटी और अर्जित अवकाश की राशि का भुगतान नहीं किया गया।

वेतन और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल: श्रमिकों ने कंपनी की कार्यप्रणाली को लेकर कई अन्य शिकायतें भी प्रशासन के सामने रखीं। उनका आरोप है

सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए गए। श्रमिकों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और यदि बकाया राशि बनती है तो उसका भुगतान कराने की मांग की।

दस्तावेजों के आधार पर होगी जांच: ज्ञापन सौंपने के बाद अपर कलेक्टर पीएस त्रिपाठी ने श्रमिकों से संबंधित दस्तावेज मांगे हैं। उन्होंने बताया कि श्रमिक नौकरी और पूरा वेतन नहीं मिलने से जुड़ी शिकायत लेकर प्रशासन के पास पहुंचे हैं। मामले से संबंधित दस्तावेजों की जांच की जाएगी और उनमें सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान पीसी ऑफिसर पप्पू प्रसाद यादव, हेल्पर राजेंद्र सिंह, हेल्पर मुकेश कुमार पांडे सहित बड़ी संख्या में श्रमिक मौजूद रहे।

वार्ड 23 के बाढ़ प्रभावितों के सामने दीपक तले अंधेरा, सर्वे के इंतजार में पीड़ित परिवार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। 19 अगस्त की रात हुई भारी बारिश के बाद 20 अगस्त को आई बाढ़ ने रीवा नगर के वार्ड क्रमांक 23 स्थित ललउ घाट और फिजुल्ला धर्मशाला के सामने रहने वाले परिवारों की मुश्किलें बढ़ दी थीं। कई घरों में करीब 4 से 5 फीट तक पानी भर गया। बाढ़ का पानी उतरने के बाद भी प्रभावित परिवारों की परेशानियां कम नहीं हुईं हैं। आरोप है कि घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद अब तक प्रशासन की ओर से प्रभावितों का सर्वे नहीं कराया गया है। सामाजिक कार्यकर्ता एवं ललउ घाट निवासी गफूर खान ने बताया कि बाढ़ के दौरान प्रभावित परिवारों को भारी मुकसान उठाना पड़ा। उनका कहना है कि जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का तीन दिन के भीतर सर्वे कराकर



आखिर उस रात कौन-कौन था ऑन इयूटी?: जांच का सबसे अहम बिंदु यही होना चाहिए कि कल्पना मिश्रा की हालत गंभीर होने के दौरान अस्पताल में कौन-कौन डॉक्टर इयूटी पर तैनात था। क्या सभी संबंधित डॉक्टरों ने मरीज को प्रत्यक्ष रूप से देखा था? क्या गंभीर स्थिति की जानकारी समय रहते विशेषज्ञों को दी गई। क्या सभी की जांच के बाद उपचार संबंधी निर्देश केसरीट में दर्ज किए गए। यदि किसी डॉक्टर ने मरीज को नहीं देखा तो आखिर

डॉक्टर को मरीज की गंभीर स्थिति के बारे में कब बताया गया? अस्पताल पहुंचने के बाद मरीज का परीक्षण किया गया या नहीं। यदि परीक्षण किया गया तो उसका उल्लेख केसरीट में है या नहीं। इन सवालों का जवाब जांच दस्तावेजों में दर्ज होना जरूरी है।

नवजात की मौत पर बाल रोग विशेषज्ञों की जवाबदेही का सवाल: मामला सिर्फ प्रसूता की मौत तक सीमित नहीं है। नवजात की भी मौत हुई है। ऐसे में उस समय इयूटी पर मौजूद बाल रोग विशेषज्ञ की भूमिका भी जांच की जरूरी है। नवजात की हालत बिगड़ने पर बाल रोग विशेषज्ञ को कब बुलाया गया। उन्होंने बच्चे को कब देखा। उसकी स्थिति का चिकित्सकीय आकलन क्या था? उपचार, निगरानी या रेफरल को लेकर क्या निर्णय लिया गया। इसी तरह मेडिसिन विभाग के डॉक्टरों को सूचना दी गई थी या नहीं। यह भी जांच का अहम हिस्सा होना चाहिए।

सेवानिवृत्ति पर उपनिदेशक सुशील कुमार शुक्ला को भावभीनी विदाई, अभियोजन परिवार ने स्मृति चिन्ह भेंट कर किया सम्मान



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला अभियोजन संचालनालय रीवा में पदस्थ उपनिदेशक सुशील कुमार शुक्ला

तहसील स्तर पर पदस्थ अभियोजन अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत जिला अभियोजन संचालनालय रीवा की वर्तमान उपनिदेशक भारती शर्मा एवं सहायक निदेशक सूर्यप्रसाद पाण्डेय द्वारा सेवानिवृत्त उपनिदेशक सुशील कुमार शुक्ला का शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान करने के साथ हुई। इस अवसर पर उपनिदेशक भारती शर्मा ने कहा कि सुशील कुमार शुक्ला का कार्यकाल अभियोजन कार्यालय के लिए महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक रहा है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

उनका कार्य व्यवहार और सेवाभाव अभियोजन परिवार के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए प्रेरणादायक रहे। उन्होंने कहा कि शुक्ला की कार्यशैली और अनुभव की कमी को पूरा करना आसान नहीं होगा। विदाई समारोह के दौरान सहकर्मियों ने भी सेवानिवृत्त उपनिदेशक के कार्यकाल और उनके साथ बिताए अनुभवों को याद किया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके स्वस्थ, सुखद और सफल आगामी जीवन की कामना की। अपने विदाई संबोधन में सुशील कुमार शुक्ला भावुक नजर आए। उन्होंने अभियोजन परिवार के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का

आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रीवा अभियोजन कार्यालय में सेवाकाल के दौरान उन्हें जो मान-सम्मान, सहयोग और स्नेह मिला, उसे वे जीवनभर नहीं भूल पाएंगे। उन्होंने कहा कि कार्यालय के सभी सदस्यों के साथ बिताया समय उनके जीवन की महत्वपूर्ण स्मृतियों में शामिल रहेगा। समारोह में जिला रीवा एवं मऊगंज के मुख्यालय सहित विभिन्न तहसीलों में पदस्थ अभियोजन अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने सेवानिवृत्त उपनिदेशक को सम्मानपूर्वक विदाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समारोह आत्मीय वातावरण में संपन्न हुआ।

कधवार के चार वार्डों में सड़क नहीं, कीचड़ से एंबुलेंस नहीं पहुंचती, मरीजों को ले जाने में होती है परेशानी



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के अंतर्गत ग्राम पंचायत कधवार के वार्ड क्रमांक 6, 7, 8 और 9 के ग्रामीण लंबे समय से सड़क की समस्या से जूझ रहे हैं। इन चार वार्डों में, जहां 800 से अधिक लोग रहते हैं आज तक पक्की सड़क का निर्माण नहीं हो पाया है। बारिश के दिनों में कच्ची सड़क पर कीचड़ और जलभराव के कारण लोगों का आवागमन अत्यंत मुश्किल हो जाता है। ग्रामीणों के अनुसार, यह मार्ग गांव के लिए मुख्य आवागमन का रास्ता है, जिसका उपयोग बड़ी संख्या में लोग प्रतिदिन करते हैं। सड़क के किनारे नाली की उचित व्यवस्था न होने के कारण बारिश का पानी रास्ते पर जमा हो जाता है। जिससे पूरी सड़क दलदल में बदल जाती है। सड़क की खराब हालत के कारण कई बार एंबुलेंस भी गांव के अंदर तक नहीं पहुंच पाती है। ऐसी आपातकालीन स्थिति में मरीजों को चारपाई या अन्य साधनों से उठकर मुख्य मार्ग तक ले जाना पड़ता है, जहां एंबुलेंस खड़ी रहती है। रात के समय किसी व्यक्ति की तबीयत बिगड़ने पर यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है। क्योंकि कीचड़ भरे रास्ते से निकलना बेहद कठिन होता है।

आर्थिकी के अच्छे दिन

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रहना इसलिए सुखद आश्चर्य का विषय है, क्योंकि ऐसे आंकड़े वैश्विक उथल-पुथल और विशेष रूप से ऊर्जा उत्पादों की ऊंची कीमतों के बाद भी सामने आए। अनेक अर्थशास्त्री ऐसी आशा नहीं कर रहे थे। इसलिए और भी, क्योंकि पिछले साल इसी तिमाही में अर्थव्यवस्था की विकास दर 6.9 प्रतिशत रही थी और अंतरराष्ट्रीय व्यापार परिदृश्य चुनौती भरा दिखाई दे रहा था। इस वित्त

वर्ष की पहली तिमाही के जीडीपी के आंकड़े उम्मीद से बेहतर रहने का एक बड़ा कारण घरेलू मांग कायम रहना है। इसके अलावा सरकारी कैपिटल खर्च, मैन्यूफैक्चरिंग, कंस्ट्रक्शन और एक्सपोर्ट ने भी जीडीपी वृद्धि में योगदान दिया। यह स्वाभाविक है कि जीडीपी के उम्मीद से अच्छे आंकड़ों पर प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की और इन्हें निराशावादियों के लिए झटका बताया। यह स्पष्ट है कि उनका संकेत उनकी ओर था, जो कुछ समय पहले अमेरिकी राष्ट्रपति

ट्रंप के भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत बताए जाने के खीझ भरे दावे का समर्थन कर रहे थे।

जीडीपी के आकर्षक आंकड़े यह भी रेखांकित कर रहे हैं

कि भारतीय अर्थव्यवस्था

अमेरिका से व्यापार समझौता न हो पाने के बाद भी अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रही है। चूंकि इसमें उन व्यापार समझौतों का योगदान रहा, जो पिछले कुछ समय में कई देशों के साथ हुए,

इसलिए ऐसे समझौतों का सिलसिला कायम रहना चाहिए। इससे अर्थव्यवस्था को बल देने के

साथ अमेरिका के दबाव का प्रतिकार करने में भी सफलता मिलेगी।

7.8 प्रतिशत विकास दर अमेरिका से व्यापार समझौता एक बार फिर सबसे तेज बढ़ती आर्थिकी बनी, लेकिन भारत को इससे संतुष्ट नहीं होना चाहिए। विकास दर बढ़ने के साथ ही भारतीय नागरिकों की औसत

आय बढ़ना भी आवश्यक है। इसके लिए भारत का लक्ष्य आठ प्रतिशत से अधिक विकास दर हासिल करना होना चाहिए। ऐसा इसलिए होना चाहिए, क्योंकि एक तो भारतीय अर्थव्यवस्था इस लक्ष्य को पाने की क्षमता रखती है और दूसरे ऐसी विकास दर ही देश को विकसित बनाने के लक्ष्य को आसान बना सकती है। इससे ही निर्धनता को दूर करने के उपायों को बल देने में सफलता मिलेगी। अब जब यह स्पष्ट है कि मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ ने जीडीपी को

सहारा देने का काम किया, तब फिर इस सेक्टर की क्षमता में वृद्धि होनी चाहिए। मैन्यूफैक्चरिंग के अलावा कंस्ट्रक्शन सेक्टर ने भी जीडीपी को बल दिया। सबसे ज्यादा लोगों को काम देने वाला यह सेक्टर और फले-फूले, लेकिन गुणवत्ता के मानकों पर खरा उतरते हुए। यह देखने की जिम्मेदारी नीति-निर्माताओं की है। उन्हें इसके प्रति भी सतर्क रहना होगा कि कमजोर मानसून अगली तिमाही की विकास दर को प्रभावित न करने पाए।

बच्चों के लिए रात में बंद होगा फेसबुक-इंस्टाग्राम, पश्चिम ने समझी डिजिटल दुनिया की सीमा

कालिताल मांडेज

सोशल मीडिया आज दुनिया के करोड़ों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और दूसरे डिजिटल मंचों ने सूचनाओं, मनोरंजन और संवाद के रास्ते आसान किए हैं, लेकिन इनके बढ़ते इस्तेमाल ने बच्चों और किशोरों के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। खास तौर पर कम उम्र में सोशल मीडिया की आदत बच्चों के मानसिक विकास, पढ़ाई, नींद, पारिवारिक संवाद और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। इसी चिंता के बीच अमरीका में फेसबुक और इंस्टाग्राम के इस्तेमाल को लेकर जो कदम उठाया गया है, वह दुनिया के दूसरे देशों के लिए भी विचार का विषय बन गया है। मेटा ने अमरीका के 47 राज्यों और वाशिंगटन डीसी समेत कुछ अमेरिकी क्षेत्रों के साथ हुए समझौते के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के उपयोगकर्ताओं के लिए फेसबुक और इंस्टाग्राम के इस्तेमाल पर रात के समय प्रतिबंध लगाने पर सहमति जताई है। प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार नाबालिगों के लिए रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक इन दोनों प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल बंद रहेगा। इसके साथ ही फेसबुक और इंस्टाग्राम के लिए सेजाना कुल दो घंटे की सीमा तय की जाएगी। यदि कोई किशोर इससे अधिक समय तक इनका इस्तेमाल करना चाहता है तो इसके लिए माता-पिता की अनुमति आवश्यक होगी। इतना ही नहीं, सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक नोटिफिकेशन बंद रखने की व्यवस्था भी की जाएगी। इसका सीधा उद्देश्य यह है कि बच्चे लगातार आने वाले संदेशों, लाइक, कमेंट और दूसरी डिजिटल गतिविधियों से पढ़ाई के समय विचलित न हों। मेटा उम्र की पहचान की व्यवस्था को भी मजबूत करेगा और किशोरों को संवेदनशील सामग्री से बचाने के लिए नियंत्रण बढ़ाएगा। लाइक काउंट जैसी कुछ सुविधाएं भी नाबालिगों के लिए डिफॉल्ट रूप से छिपाई जाएंगी। यह फेसला अचानक नहीं आया है। वर्ष 2023 में अमरीका के 29 राज्यों के अर्टोर्नी जनरल ने मेटा के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। आरोप था कि फेसबुक और इंस्टाग्राम में ऐसे फीचर डिजाइन किए गए हैं जो बच्चों और किशोरों को ज्यादा समय तक प्लेटफॉर्म से जोड़े रखते हैं। बाद में इस कानूनी कार्रवाई का दायरा बढ़ता गया और इसमें 47 राज्य, वाशिंगटन डीसी तथा कुछ अमेरिकी क्षेत्र शामिल हो गए। 26 अगस्त 2026 को मेटा और संबंधित राज्यों के अर्टोर्नी जनरल के बीच समझौते के बाद इस मामले का समाधान हुआ। इस समझौते का आर्थिक पक्ष भी महत्वपूर्ण है। बताया गया है कि मेटा समझौते के तहत अमरीकी राज्यों और संबंधित क्षेत्रों की 10 वर्षों में किस्तों के माध्यम से 12.1 अरब डॉलर का भुगतान करेगा। यदि टिकटॉक, स्नैपचैट और यूट्यूब जैसी अन्य कंपनियां भी इसी तरह के बाल सुरक्षा उपायों और भुगतान को स्वीकार करती हैं तो कुल राशि 17.1 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। इससे यह संकेत मिलता है कि बच्चों की डिजिटल सुरक्षा अब केवल सामाजिक या पारिवारिक चिंता नहीं रही, बल्कि सरकारों और बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए भी गंभीर नीति का विषय बन चुकी है। सबसे बड़ा सवाल भारत को लेकर है। फिलहाल अमरीका में हुआ यह समझौता भारत में लागू नहीं होगा। हालांकि भारत में भी बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर उम्र की सीमा, स्क्रीन टाइम और पैरेंटल कंटेंट जैसे विकल्पों पर चर्चा होती रही है। भारत जैसे देश में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यहां बड़ी संख्या में बच्चे और किशोर तेजी से स्मार्टफोन और सोशल मीडिया की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। बच्चों का मन अत्यंत संवेदनशील होता है। कम उम्र में मिलने वाली सूचनाएं, तस्वीरें, वीडियो और सामाजिक प्रतिक्रियाएं उनके सोचने और व्यवहार करने के तरीके को प्रभावित करती हैं। सोशल मीडिया पर लगातार दूसरों की जिंदगी को देखने से बच्चों में अनावश्यक तुलना, लोकप्रिय होने की इच्छा और डिजिटल स्वीकृति पाने की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। रात देर तक मोबाइल चलाने से नींद प्रभावित हो सकती है और अगले दिन पढ़ाई तथा दैनिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है। इसलिए यह केवल सोशल मीडिया के इस्तेमाल का सवाल नहीं, बल्कि बाल विकास और पारिवारिक जीवन से जुड़ा विषय है।

सौरम वाष्पण

अल नीनो प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्री सतह के तापमान के सामान्य से अधिक गर्म होने से जुड़ी एक प्राकृतिक जलवायु घटना है। इसका प्रभाव केवल प्रशांत महासागर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में तापमान, वर्षा और हवाओं के पैटर्न को प्रभावित कर सकता है। यह घटना प्राकृतिक जलवायु चक्र का हिस्सा है और हजारों वर्षों से पृथ्वी की जलवायु व्यवस्था में इसका अस्तित्व रहा है। लेकिन आज परिस्थितियां पहले जैसी नहीं हैं। मानव गतिविधियों के कारण पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में अल नीनो और बढ़ते वैश्विक तापमान का मेल मौसम की चरम स्थितियों को और अधिक गंभीर बना सकता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर अल नीनो को लेकर इतनी चिंता क्यों है? इसका उत्तर इसके व्यापक प्रभावों में छिपा है। अल नीनो के दौरान दुनिया के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से अधिक बढ़ सकता है, जबकि कुछ क्षेत्रों में वर्षा के स्वरूप में बड़ा बदलाव देखने को मिलता है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह स्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। देश की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है और आज भी खेती का एक बड़ा हिस्सा मानसूनी बारिश पर आधारित है। यदि बारिश सामान्य से कम होती है या उसका वितरण असमान रहता है, तो इसका सीधा असर खरीफ फसलों पर पड़ सकता है। धान, मक्का, दालें, तिलहन और अन्य फसलों की पैदावार प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है। उत्पादन में कमी का असर केवल किसान तक सीमित नहीं रहता। इससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं और महंगाई पर दबाव पैदा हो सकता है। पहले से ही महंगाई और रोजगार जैसी चुनौतियों से जुझ रहे आम

परिवारों के लिए खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी अतिरिक्त बोझ बन सकती है। लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी कम गंभीर नहीं है। जलवायु परिवर्तन के कारण जब वातावरण अधिक गर्म होता है, तो उसमें नमी धारण करने की क्षमता बढ़ती है। परिणामस्वरूप कई बार कम समय में अत्यधिक बारिश होने

जान-माल को नुकसान पहुंचा सकती है। मैदानी इलाकों में नदियों का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है। वहीं महानगरों में कुछ घंटों की तेज बारिश ही यातायात, बिजली, सीवर और जनजीवन को अस्त-व्यस्त करने के लिए पर्याप्त है। ऐसे में यह समझना होगा कि केवल बारिश का कुल मात्रा

लगती है। ऐसी बारिश सामान्य मानसून से अलग होती है। कुछ घंटों में इतनी वर्षा हो जाती है कि शहरों की जल निकासी व्यवस्था जवाब दे देती है, नदियां उफान पर आ जाती हैं और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। यानी एक ओर सूखे जैसी स्थिति और दूसरी ओर अचानक बाढ़-दोनों परिस्थितियां एक ही बदलती जलवायु व्यवस्था का हिस्सा बन सकती हैं। भारत के लिए यह खतरा इसलिए भी गंभीर है क्योंकि देश की भौगोलिक विविधता बहुत अधिक है। हिमालयी क्षेत्र में भारी बारिश और बादल फटने जैसी घटनाएं

पर दबाव और बढ़ेगा। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बदलता मौसम बड़ी चुनौती बन रहा है। अत्यधिक गर्मी से हॉट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। कमजोर वर्ग, बुजुर्ग, बच्चे और खुले में काम करने वाले श्रमिक सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर बाढ़ के बाद जलजनित बीमारियों और

मालबे का नुकसान बढ़ेगा।

दोनों प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर बाढ़ और भूस्खलन से सड़कों, पुलों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचता है।ऐसे समय में सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत और मुआवजे तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि जलवायु जोखिम को

जल संकट से उद्योग और कृषि दोनों प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर बाढ़ और भूस्खलन से सड़कों, पुलों और अन्य सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचता है।ऐसे समय में सरकारों की जिम्मेदारी केवल राहत और मुआवजे तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि जलवायु जोखिम को

इरिगेशन तथा वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना होगा। किसानों को मौसम की वास्तविक समय की जानकारी और संभावित जोखिमों के बारे में पहले से चेतावनी मिलनी चाहिए। इससे वे बुवाई, सिंचाई और कटाई से जुड़े निर्णय अधिक वैज्ञानिक ढंग से ले सकेंगे।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अल नीनो को केवल एक अस्थायी प्राकृतिक घटना मानकर उसके खतरे को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अल नीनो आयागा और जाएगा, लेकिन यदि पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ता रहा तो ऐसी प्राकृतिक घटनाओं के प्रभाव अधिक जटिल और गंभीर हो सकते हैं। इसलिए वास्तविक चुनौती अल नीनो से अधिक उस बदलती जलवायु व्यवस्था की है, जिसमें अल नीनो अपना प्रभाव डाल रहा है। धरती हमें लगातार संकेत दे रही है। कभी रिकॉर्ड गर्मी के रूप में, कभी असामान्य बारिश के रूप में और कभी सूखे तथा बाढ़ के एक साथ बढ़ते खतरे के रूप में। अब आवश्यकता भय पैदा करने की नहीं, बल्कि समय रहते तैयारी करने की है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम किए बिना भविष्य सुरक्षित नहीं किया जा सकता।अल नीनो को रोकना हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन उसके प्रभावों से होने वाले नुकसान को कम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है। इसके लिए वैज्ञानिक चेतावनियों को गंभीरता से लेना होगा, जलवायु अनुकूल नीतियां बनानी होंगी और प्रकृति के साथ विकास की नई भाषा लिखनी होगी। यदि हमने आज भी चेतावनियों को नजरअंदाज किया, तो आने वाली पीढ़ियों को केवल बदलते मौसम का नहीं, बल्कि बदलती और अधिक असुरक्षित दुनिया का सामना करना पड़ेगा। अब समय है कि धरती के बदलते मिजाज को समझा जाए और उसके संकेतों पर गंभीरता से अमल किया जाए।

प्रो. मनीषा शर्मा

खबरों से पता चला कि उसने आई फोन खरीद लिया था पर ईएमआई भरना उसके बस की बात नहीं थी। उसने परिवार से ज़िद की, परिवार वालों ने समझाया कि उनकी हैसियत इतनी नहीं है कि वह ईएमआई भर पाए । बस वह अपनी ज़िद पूरी करने और घरवालों पर मानसिक दबाव बनाने के लिए पहाड़ी पर चला गया और कहने लगा कि नहीं भरोगे तो नीचे कूद जाऊंगा। इसी घटनाक्रम में एक ही परिवार के तीन लोगों की दर्दनाक मृत्यु हो जाती है। बच्चों में आई फोन की इस बढ़ती चाहत के पीछे सोशल मीडिया, दोस्तों के समूह का प्रभाव और विज्ञापनों की बड़ी भूमिका है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब और अन्य प्लेटफॉर्म पर महंगे फोन को सफलता, सम्पन्नता और आधुनिक जीवनशैली से जोड़कर दिखाया जाता है। जब एक बच्चा अपने दोस्तों के हाथ में नया आई फोन देखता है तो उसके मन में भी वैसा ही फोन पाने की ललक पैदा होती है। कई बार यह इच्छा इतनी तीव्र होती है कि वह इसके लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाता है।वह चोरी ,छकेंती या कोई भी अपराध करने को भी तैयार हो जाता है।इस प्रकार ज़िद और सामाजिक दबाव में वह अपना विवेक खोकर किसी भी कीमत पर अपनी इच्छा की पूर्ति करना चाहता है। इस प्रवृत्ति का असर केवल परिवार के बजट पर नहीं, बल्कि बच्चों की सोच पर भी पड़ता है। यदि बच्चा



करना नहीं है, क्योंकि ऐसा कर पाना मुश्किल है । स्मार्टफोन आज शिक्षा, संपर्क और जानकारी का महत्वपूर्ण साधन है। ज़रूरत है कि माता-पिता, शिक्षक बच्चों को तकनीक और उपभोक्तावाद के बीच अंतर समझाएं। फोन

खरीदते समय उसकी कीमत या ब्रांड के बजाय उसकी उपयोगिता, जरूरत और परिवार की आर्थिक क्षमता को देखे।इसका सीमित और ज़रूरत पूर्ति के लिए प्रयोग हो। युवा डिजिटल दुनिया और दिखावे में इसलिए फंस रहे हैं क्योंकि आज सोशल मीडिया ने

खरीदते समय उसकी कीमत या ब्रांड के बजाय उसकी उपयोगिता, जरूरत और परिवार की आर्थिक क्षमता को देखे।इसका सीमित और ज़रूरत पूर्ति के लिए प्रयोग हो। युवा डिजिटल दुनिया और दिखावे में इसलिए फंस रहे हैं क्योंकि आज सोशल मीडिया ने

तुलना, लोकप्रियता और उपभोग को जीवनशैली का हिस्सा बना दिया है । सोशल मीडिया पर लोग अपनी जिंदगी का चमकदार पक्ष दिखाते हैं। इससे युवाओं में तुलना की प्रवृत्ति बढ़ती है । ये देखकर वे अपनी जिंदगी

को कमतर समझने लगते हैं। वर्तमान समय में युवा लाइक और फॉलोअर्स की संख्या को ही सब कुछ समझ ने लगे है। यह डिजिटल लोकप्रियता युवाओं के आत्मसम्मान से जुड़ने लग रही है। ज्यादा लाइक और फॉलोअर्स को ही आज सफलता का पैमाना माना जा रहा है। यह दिखावे की संस्कृति इस कदर युवाओं पर हावी हो गई है कि महंगे फोन, कपड़े, गाड़ियां, घूमने की जगहें और पार्टियां सोशल मीडिया पर नाम और प्रतिष्ठा के प्रतीक बन गए हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आते विज्ञापन लगातार ऐसी चीजें सामने लाते हैं जो युवाओं में खरीदने और बेहतर दिखने की इच्छा पैदा करती हैं। सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि और सफलता बहुत आसान दिखाई देती है। इससे मेहनत, धैर्य और वास्तविक उपलब्धियों का महत्व कम होने लगता है। इस डिजिटल दुनिया में हजारों की संख्या में फ्रेंड होने के बावजूद आज कई युवा अपनी जिन्दगी में अकेलेपन से जूझ रहे हैं।कई बार वास्तविक जीवन में संवाद की कमी को युवा डिजिटल दुनिया में समय बिताकर पूरा करने की कोशिश करते हैं।

आज असली चुनौती इस डिजिटल दुनिया के प्रभाव को समझना है जो एक नशे की तरह उन्हें अपनी गिरफ्त में लेती जा रही है। युवाओं को यह समझना होगा कि सोशल मीडिया को दिखाई देने वाली जिंदगी पूरी तरह से सच नहीं

होती। जीवन की वास्तविक सफलता महंगे फोन, ब्रांडेड सामान, लाइक या फॉलोअर्स में नहीं, बल्कि परिश्रम , ज्ञान, चरित्र , परिवार और आत्म विश्वास में है। वर्तमान में माता पिता बच्चे की हर जरूरत पूरी करने को ही अपनी पेरेंटिंग समझ रहे हैं। कही न कही परिवार में संवाद कम हुआ है। हर घर में मोबाइल संस्कृति इस कदर हावी है कि चार लोग एक कमरे में बैठ कर भी अपने- अपने मोबाइल में बिजी दिखते है।माता-पिता को बच्चों के साथ खुलकर बातचीत करनी चाहिए और उन्हें समझाना चाहिए कि किसी महंगे फोन, गैजेट्स का होना सफलता या श्रेष्ठता का पैमाना नहीं है। बच्चों को खेल, किताबों, रचनात्मक गतिविधियों और वास्तविक सामाजिक संबंधों के लिए भी पर्याप्त समय देना जरूरी है। स्मार्टफोन अपने आप में समस्या नहीं है,, समस्या तब पैदा होती है जब वस्तु जरूरत से बढ़कर मान सम्मान, प्रतिष्ठा और पहचान का प्रतीक बन जाती है। बच्चों को तकनीक का समझदारी और संयम से इस्तेमाल करना सिखाना ही इस बढ़ती सनक का सबसे बेहतर समाधान है। बच्चे का व्यक्तित्व और संस्कार ही उसकी असली पहचान है। संवाद, समझाइश, समय और संयम के साथ परिवार के संस्कार उसे इस प्रकार के एडिक्शन और आभासी दुनिया से दूर रखने में सहायक हो सकते है।

आज के डिजिटल क्रांति के युग में

मोबाइल फोन बच्चों की दिनचर्या का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। पढ़ाई, मनोरंजन और लोगों से संपर्क के लिए इसका प्रचलन इस कदर बढ़ गया है कि इसके बिना जीने की कल्पना मात्र से युवा झिज्र जाते है। इसकी उपयोगिता से इनकार नहीं किया जा सकता लेकिन आज युवाओं के मध्य महंगे और ब्रांडेड फोन, स्मासकर आई फोन को लेकर बढ़ती दीवानगी माता-पिता के लिए चिंता का सबब बन रही है। कई बच्चे फोन को अपनी जरूरत से ज्यादा स्टेटस सिंबल मानने लगें हैं। इसी एडिक्शन का शिकार हुआ महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर (औसा) का कुणाल, जिसने आई फोन की ज़िद में अपनी जिंदगी को ही दांव पर लगा दिया । ना सिर्फ अपने बल्कि अपने मां-बाप की जिंदगी को भी अपनी ज़िद की मेंट वढ़ा दिया। कुणाल जो 19 वर्ष का था अपनी आई फोन खरीदने की ज़िद के कारण पहाड़ी से कूद कर जान देने की कोशिश करने लगा उसको बचाने में पिता गिर गए और इस तल्मसे में उसकी मां भी पहाड़ी से कूद गई।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने योजनाओं और विकास कार्यों की ली समीक्षा, लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी संतन देवी जांगड़े की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागवार लंबित प्रकरणों, जनशिकायतों, जनकल्याणकारी योजनाओं और विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्धारित समय में लंबित मामलों का निराकरण करने और प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए बैठक में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के जिले में निर्धारित 7,700 हितग्राहियों के लक्ष्य को पूरा करने पर विशेष जोर दिया गया नगर पालिका, नगर पंचायत और जनपद पंचायत स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए। सीईओ एवं सीएमओ को फलेक्स लगाकर योजना के लाभों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने को कहा गया। शिक्षकों, प्राचार्यों और स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को भी योजना से



जोड़ने तथा स्मार्ट मीटर के साथ योजना को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में आयुष्मान कार्ड, टीकाकरण, संस्थागत प्रसव, सिकल सेल स्क्रीनिंग, टीबी मुक्त पंचायत और मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति देखी गई भरतपुर, मनेन्द्रगढ़ और खड़गवा में आयुष्मान कैंप आयोजित करने तथा भरतपुर जनपद में 15 सितंबर से शिविर शुरू करने के निर्देश दिए गए शिक्षा विभाग की

समीक्षा में पुस्तकों के वितरण, छात्रवृत्ति, अपार आईडी, शिक्षकों की उपस्थिति और स्कूलों की मूलभूत सुविधाओं की स्थिति देखी गई नेटवर्क विहीन ग्रामों की समस्याओं का समाधान करने तथा जर्जर एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण में तेजी लाने को कहा गया कृषि विभाग की समीक्षा में पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, एग्रीस्टैक, खाद-बीज की उपलब्धता और कृषि योजनाओं की जानकारी ली गई आगामी

धान उपार्जन को देखते हुए लाई, बरबसपुर, घुटरा, कछेड़ एवं कोड़ा उपार्जन केंद्रों में आवश्यक सुधार समय रहते पूरा करने तथा धान-चावल के सुरक्षित भंडारण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए जिल संसाधन विभाग को जलाशयों, बांधों और नहरों की आवश्यक मरम्मत समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए। पीएमजीएसवाई, लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा और छत्तीसगढ़ गृह निर्माण



मंडल के कार्यों की भी समीक्षा हुई। भरतपुर एवं जनकपुर कस्तरूबा हॉस्टल सहित केल्लारी, कोटाडोल और बरौता के आवासीय निर्माण कार्यों को समय सीमा में पूरा करने तथा गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर दिया गया। सीएम हेल्पलाइन 1076, जनदर्शन, जनशिकायत, लोक सेवा गारंटी और सेवा सेतु के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि शिकायतों का केवल औपचारिक निराकरण

न हो, बल्कि आवेदक को संतोषजनक समाधान मिले समय-सीमा से बाहर लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश दिए गए। बैठक में आगरा पशुओं की टैगिंग, पीएम स्वनिधि, पौधरोपण, तेंदूपत्ता भुगतान, ई-ऑफिस, किसान क्रेडिट कार्ड, मत्स्य, पशुपालन, उद्योग, उद्यानिकी, पीएचई, क्रेडा और पर्यटन विभाग के कार्यों की भी समीक्षा की गई।



मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। पुलिस मुख्यालय में सितंबर माह के प्रथम कार्य दिवस पर मंगलवार को राष्ट्रीय जन गण मन और राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का सामूहिक गायन आयोजित किया गया कार्यक्रम में पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने सहभागिता की सामूहिक गायन के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रीय गीत के माध्यम से देश के प्रति सम्मान एवं राष्ट्रीय एकता की भावना व्यक्त की कार्यक्रम में पुलिस मुख्यालय के विभिन्न शाखाओं में पदस्थ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे इस अवसर पर विशेष पुलिस महानिदेशक पंकज श्रीवास्तव, विशेष पुलिस महानिदेशक

अनिल कुमार गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक योगेश चौधरी, डी. श्रीनिवास वर्मा, सोलोमन यश कुमार मिंज सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे पुलिस मुख्यालय में प्रत्येक माह के प्रथम कार्य दिवस पर आयोजित होने वाला यह सामूहिक गायन अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रीय भावना और अनुशासन की भावना को मजबूत करने का माध्यम है कार्यक्रम के दौरान सभी ने गरिमापूर्ण वातावरण में राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रीय गीत का सामूहिक रूप से गायन किया कार्यक्रम में पुलिस मुख्यालय के विभिन्न विभागों एवं शाखाओं के अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल हुए सामूहिक गायन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

मूंगफली की समर्थन मूल्य पर खरीदी और पंजीयन की मांग, किसान नेता ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, 10 दिन का अल्टीमेटम



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में मूंगफली की फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदने और किसानों का शासकीय पंजीयन शुरू कराने की मांग को लेकर किसान नेता एवं जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मान सिंह फौजी ने मंगलवार को एसडीएम करैरा को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा किसानों का कहना है कि

मंडियों में मूंगफली का भाव समर्थन मूल्य से काफी कम मिल रहा है ऐसे में सरकारी खरीदी की व्यवस्था जल्द शुरू नहीं हुई तो किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

मंडियों में 4 से 4.5 हजार तक मिल रहा भाव: मान सिंह फौजी के मुताबिक शिवपुरी जिला मूंगफली उत्पादन के लिए

प्रदेश में प्रमुख क्षेत्रों में शामिल है करैरा, नरवर और पोहरी सहित कई इलाकों में किसान बड़े पैमाने पर मूंगफली की खेती करते हैं किसानों का आरोप है कि मंडियों में बिचौलियों के प्रभाव के चलते उन्हें करीब 4 हजार से 4 हजार 500 रुपए प्रति क्विंटल तक का भाव मिल रहा है ज्ञापन में बताया गया कि केंद्र

सरकार ने वर्ष 2025-26 के लिए मूंगफली का न्यूनतम समर्थन मूल्य 7,517 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है किसान नेता का कहना है कि समर्थन मूल्य और मंडी भाव के बीच बड़ा अंतर होने से किसानों को प्रति क्विंटल हजारों रुपए का नुकसान हो रहा है।

सरकारी पंजीयन और खरीदी केंद्र की मांग: किसान नेता ने सरकार से मांग की है कि सोयाबीन और गेहूं की तर्ज पर मूंगफली के लिए भी शासकीय पंजीयन व्यवस्था शुरू की जाए और समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए पर्याप्त केंद्र बनाए जाएं। उनका कहना है कि वर्ष 2024 में भी कलेक्टर के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकार को इस संबंध में पत्र भेजा गया था, लेकिन अब तक ठोस व्यवस्था नहीं बन पाई है।

अच्छी फसल की उम्मीद,

कम दाम की चिंता: अच्छे मानसून के चलते इस वर्ष जिले में मूंगफली की अच्छी पैदावार की उम्मीद जताई जा रही है किसानों को आशंका है कि फसल की आवक बढ़ने पर यदि सरकारी खरीदी शुरू नहीं हुई तो उन्हें मजबूरी में कम कीमत पर उपज बेचनी पड़ सकती है।

10 दिन में व्यवस्था नहीं तो आंदोलन: ज्ञापन के माध्यम से तत्काल शासकीय पंजीयन शुरू करने, 7,517 रुपए प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए केंद्र स्थापित करने और बिचौलियों की भूमिका समाप्त कर सीधे किसानों से उपज खरीदने की मांग की गई है मान सिंह फौजी ने चेतावनी दी कि यदि 10 दिन के भीतर पंजीयन और समर्थन मूल्य पर खरीदी की व्यवस्था नहीं की गई तो जिले के किसान एकजुट होकर आंदोलन करेंगे।



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आगामी कृष्ण जन्माष्टमी एवं गणेश चतुर्थी पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी संतन देवी जांगड़े और पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कानून-व्यवस्था, यातायात, सुरक्षा, पंडाल, विसर्जन, विद्युत, स्वच्छता और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की समीक्षा

कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुरूप स्कूलों के आसपास संचालित दुकानों की जांच और कार्रवाई के निर्देश दिए गए नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर दुकानदारों को नोटिस जारी करने के साथ 20 हजार रुपए तक जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए चिरमिरी, हल्दीबाड़ी, मनेन्द्रगढ़ और खड़गवा क्षेत्र में सार्वजनिक स्थानों पर डिप्टी कलेक्टर और पुलिस विभाग को संयुक्त कार्रवाई करने कहा गया। जन्माष्टमी और गणेश उत्सव

कोलारस में नगर परिषद की सरकारी कचरा गाड़ी चोरी, CCTV में सदिग्ध कैद, पुलिस से FIR की मांग



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के कोलारस में नगर परिषद कार्यालय परिसर से सरकारी कचरा उठाने वाली टाय ट्रिपर गाड़ी चोरी होने का मामला सामने आया है चोरी हुई गाड़ी रात में रेलवे स्टेशन रोड की ओर जाती दिखाई दी। इसके बाद वाहन के पूनखंडी टोल प्लाजा से गुजरने की जानकारी सामने आई है टोल

प्लाजा के CCTV फुटेज में गाड़ी ले जाता एक सदिग्ध भी नजर आया है जानकारी के अनुसार नगर परिषद की टाय ट्रिपर कचरा गाड़ी 31 अगस्त की रात करीब 9:30 बजे नगर परिषद कार्यालय परिसर से गायब हुई कर्मचारियों को गाड़ी नहीं मिलने पर आसपास के रास्तों पर उसकी तलाश शुरू की गई नगर परिषद की ओर से पुलिस को

दिए गए पत्र के मुताबिक, रात करीब 9:40 बजे गाड़ी रेलवे स्टेशन रोड की तरफ जाती हुई देखी गई थी इसके कुछ देर बाद करीब 10 बजे नगर परिषद के एक कर्मचारी ने इसी गाड़ी को पूनखंडी टोल प्लाजा से गुजरते हुए देखा टोल प्लाजा के CCTV कैमरों में वाहन के गुजरने की तस्वीरें सामने आई हैं फुटेज के आधार पर पुलिस सदिग्ध की पहचान करने और चोरी हुई सरकारी गाड़ी का पता लगाने में जुटी है नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने कोलारस थाना प्रभारी को पत्र भेजकर मामले में FIR दर्ज करने और चोरी हुई कचरा गाड़ी बरामद करने की मांग की है।

शिवपुरी में पहली बार खुला मोहिनी वियर का गेट, सिंध नदी में छोड़ा पानी; मढ़ीखेड़ा बांध 89' भरा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में लगातार हो रही बारिश के चलते जल संरचनाओं में पानी की आवक तेजी से बढ़ रही है मंगलवार को मोहिनी पिकअप वियर के 13 गेटों में से पहली बार एक गेट खोला गया इससे करीब 52.64 क्यूमेक पानी सिंध नदी में छोड़ा जा रहा है। वहीं, अटल सागर मढ़ीखेड़ा बांध भी अपनी कुल जलसंग्रहण क्षमता के 89.30 प्रतिशत तक भर चुका है बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

सुहृद 6 बजे खोला गया मोहिनी वियर का गेट: जल संसाधन विभाग के अनुसार,

मोहिनी पिकअप वियर के जलसंग्रहण क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण जलस्तर बढ़ने के बाद मंगलवार सुबह करीब 6 बजे एक जलद्वार खोला गया वियर में कुल 13 गेट हैं फिलहाल एक गेट से लगभग 52.64 क्यूमेक पानी छोड़ा जा रहा है, जो आगे सिंध नदी में पहुंचेगा पानी छोड़े जाने के बाद प्रशासन ने नदी किनारे बसे लोगों को विशेष सावधानी बरतने की अपील की है संभावित डूब क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को नदी और निचले इलाकों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है ख्यावदा, साबोली, सुड, धमधौली, सीहोर, निहाबाग, सूड, पनयट, मगरोनी और पुलाह सहित आसपास के क्षेत्रों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।



मढ़ीखेड़ा बांध में 745.49 एमसीयूएम पानी: लगातार बारिश से अटल सागर मढ़ीखेड़ा बांध का जलस्तर भी तेजी से बढ़ा है मंगलवार सुबह 11 बजे बांध का जलस्तर 344.95 मीटर दर्ज किया गया, जबकि पूर्ण जलराशय स्तर 346.25

मीटर है बांध में वर्तमान जलसंभरण 745.49 एमसीयूएम है, जो कुल क्षमता का 89.30 प्रतिशत है फिलहाल बांध के मुख्य गेट बंद हैं और उनसे पानी नहीं छोड़ा जा रहा है। हालांकि, पावर हाउस के माध्यम से करीब 101.56 क्यूमेक पानी लगातार

छोड़ा जा रहा है। जलस्तर बढ़ने पर खुल सकते हैं मुख्य गेट: बारिश और पानी की आवक जारी रहने पर मढ़ीखेड़ा बांध का जलस्तर और बढ़ सकता है आवश्यकता पड़ने पर मुख्य गेट खोलकर पानी छोड़ा जा सकता है।

अपराध अनुसंधान को अधिक वैज्ञानिक एवं साक्ष्य आधारित बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश पुलिस की पहल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। अपराधों की विवेचना को अधिक वैज्ञानिक, तार्किक एवं साक्ष्य-आधारित बनाने तथा विवेचकों एवं स्टाफ को आधुनिक फॉरेंसिक एवं डिजिटल तकनीकों में दक्ष बनाने के उद्देश्य से विशेष पुलिस महानिदेशक पंकज वास्तव के निर्देशन में तथा पुलिस उप महानिरीक्षक साकेत पाण्डेय, प्रशांत खरे एवं सहायक पुलिस महानिरीक्षक मनीष खत्री के मार्गदर्शन में अपराध अनुसंधान विभाग, पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा 03 दिवसीय विशेष फॉरेंसिक, वैज्ञानिक एवं डिजिटल विवेचना प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन आज शुभारंभ हुआ कार्यशाला 01 से 03 सितम्बर 2026 तक आयोजित की जा रही है कार्यशाला में पुलिस अधिकारियों एवं विवेचकों को

अपराध स्थल से साक्ष्य संकलन, संरक्षण, वैज्ञानिक परीक्षण, आधुनिक अपराध अनुसंधान तकनीकों, फॉरेंसिक साइंस तथा डिजिटल टूल्स के व्यावहारिक उपयोग के साथ-साथ डिजिटल साक्ष्यों के वैज्ञानिक एवं विधिसम्मत उपयोग के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाएगा जिससे अपराधों की अनुसंधान एवं विवेचना तार्किक व वैज्ञानिक साक्ष्यों से परिपूर्ण हो सके और दोषसिद्धि दर (कनिक्शन रेट) में वृद्धि हो सके कार्यशाला में राज्य के वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, फॉरेंसिक विशेषज्ञ एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारी प्रशिक्षण प्रदान करेंगे कार्यशाला का शुभारंभ 01 सितंबर को प्रातः 10 बजे हुआ, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रशिक्षण की रूपरेखा पर विस्तृत परिचर्चा की और प्रतिभागियों को कार्यशाला के उद्देश्यों से अवगत कराया।

राहुल गांधी के खिलाफ FIR के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, मनेन्द्रगढ़ में केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर के विरोध में

जिला कांग्रेस कमेटी एमसीबी ने मनेन्द्रगढ़ में प्रदर्शन किया कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी चौक पर केंद्र सरकार

के खिलाफ नारेबाजी करते हुए एफआईआर को राजनीतिक कार्रवाई बताया और इसे तत्काल वापस लेने की मांग की प्रदर्शन

के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में पार्टी के झंडे लेकर राजीव गांधी चौक पर एकत्र हुए नेताओं ने एफआईआर की कार्रवाई को विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास बताते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष को सरकार से सवाल पूछने और जनहित के मुद्दे उठाने का अधिकार है।

कांग्रेस ने लगाया सरकारी तंत्र के दुरुपयोग का आरोप: कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों और सरकारी तंत्र का कथित रूप से दुरुपयोग कर रही है उनका कहना था कि राहुल

गांधी लगातार आम जनता से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहे हैं और इसी कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राजनीतिक विरोध के बावजूद लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक अधिकारों का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को अनुचित बताते हुए इसे तत्काल समाप्त करने की मांग की कांग्रेस के अनुसार यह एफआईआर उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद हुए कथित 'शुद्धिकरण' से जुड़े मामले में राहुल गांधी के बयान को लेकर दर्ज की गई है इसी कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस संगठन ने देशभर

में प्रदर्शन का रख अपनाया है मनेन्द्रगढ़ में प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एफआईआर वापस लेने की मांग को प्रमुखता से उठाया। नेताओं ने कहा कि विपक्ष के नेताओं के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई लोकतांत्रिक वातावरण के लिए उचित नहीं है। कार्रवाई वापस नहीं हुई तो आंदोलन की चेतावनी: प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस नहीं ली गई तो कांग्रेस आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक करेगी पार्टी नेताओं ने लोकतंत्र, संविधान और संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने की बात कही।

संक्षिप्त समाचार

खरगोन में 7 दिन से बारिश रुकी, फ्लावरिंग स्ट्रेज में कपास-सोयाबीन की नमी घटी



मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में पिछले सात दिनों से बारिश नहीं होने के कारण फसलों पर संकट गहरा गया है। हल्की जमीन में लगी कपास और सोयाबीन की फसलों में नमी तेजी से घट रही है। पथरीली और भूरी मिट्टी वाली जमीन में किसानों ने कपास की सिंचाई शुरू कर दी है। किसान भाव सिंह, तिलोक सेठना और मंशे यादव ने बताया कि फसलें इस समय फ्लावरिंग स्ट्रेज पर हैं। हल्की जमीन में दरारें पड़ गई हैं, जिससे नमी बनाए रखने के लिए सिंचाई आवश्यक हो गई है। जिले में इस बारिश सीजन में अब तक 25.2 इंच बारिश दर्ज की गई है, जो सालाना औसत 32.6 इंच से 7 इंच कम है। पिछले वर्ष इसी अवधि में 22.6 इंच बारिश हुई थी।

नशीली दवाओं से जुड़ाव पर मेडिकल स्टोर का लाइसेंस निरस्त



मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में मेडिकल स्टोर्स पर अनियमितताएं मिलने पर दो मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निरस्त किए गए हैं। ड्रा इंस्पेक्टर सोनम ने शहर की विभिन्न मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण किया। जिसके तहत नशीली दवाओं में सलिसेता पाए जाने समेत नियमों का उल्लंघन पर मेडिकल स्टोर्स के लाइसेंस निरस्त किए। सागर शहर के ऋषभ इंटरप्राइजेज मेडिकल में नशीली दवाओं में सलिसेता पाए जाने पर मेडिकल का लाइसेंस निरस्त किया गया है। इसी प्रकार आईटीआई के सामने संचालित विष्णु मेडिकल का निरीक्षण के दौरान दुकान का संचालन नहीं पाए जाने पर लाइसेंस निरस्त किया गया। फार्मासिस्ट के बिना दुकान का संचालन पाए जाने पर संवृद्धि मेडिकल का लाइसेंस 7 दिन के लिए निलंबित किया गया है।

13 मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निरस्त किए: इससे पहले औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1945 के नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर सागर जिले के 13 मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निलंबित किए थे। पटेल मेडिकल, विजय टर्कीज रोड के निरीक्षण के दौरान, 1द्वय वायल 10 एमएल के क्रय-विक्रय के दस्तावेजों में गड़बड़ी पाए जाने पर दुकान का निरीक्षण किया गया।

दानापुर-बैंगलुरु स्पेशल ट्रेन अब नियमित:नए नंबर 22365/22366 से चलेगी, 24 कोच होंगे



मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। दानापुर से सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बैंगलुरु के बीच चलने वाली स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन को अब नियमित कर दिया गया है। रेल प्रशासन ने इसे नए नंबर 22365/22366 आवंटित किए हैं। यह ट्रेन प्रतिदिन संचालित होगी और पश्चिम मध्य रेलवे के सतना, जबलपुर तथा इटारसी स्टेशनों से होकर गुजरेगी। पश्चिम मध्य रेल भोपाल मंडल पीआरओ के अनुसार, गाड़ी संख्या 22365 दानापुर-सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बैंगलुरु एक्सप्रेस का संचालन 1 सितंबर 2026 से प्रतिदिन किया जाएगा। यह ट्रेन दानापुर से दोपहर 2:45 बजे रवाना होगी। यह सतना में मध्याह्न 12:10 बजे, जबलपुर में सुबह 3:25 बजे और इटारसी जंक्शन पर सुबह 7:20 बजे पहुंचेगी। निर्धारित स्टेशनों पर उधराव लेते हुए, ट्रेन तीसरे दिन दोपहर 2:30 बजे सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बैंगलुरु पहुंचेगी। वापसी में, गाड़ी संख्या 22366 सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल बैंगलुरु-दानापुर एक्सप्रेस 3 सितंबर 2026 से प्रतिदिन चलेगी।

पुरानी रंजिश में युवक पर चाकू से हमला, रेफर

मीडिया ऑडीटर, सुखतवा (निप्र)। सुखतवा ग्राम डाडीवाड़ा के पास 30 अगस्त की रात करीब 10 बजे एक युवक पर जानलेवा हमला हुआ। चायल को पहले शाहपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां प्रारंभिक इलाज के बाद हालत गंभीर होने पर बैतूल रेफर किया गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिला पर्यावरण योजना-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करें : कलेक्टर अंशुल गुप्ता

लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में जिला पर्यावरण योजना के विभिन्न विषयगत क्षेत्रों की समीक्षा



मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में जिला पर्यावरण योजना-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की गई। बैठक में पर्यावरण संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन, वायु एवं जल गुणवत्ता, खनन क्षेत्रों के पर्यावरण प्रबंधन, ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण, आर्द्रभूमि संरक्षण तथा वृक्षारोपण प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों पर कार्ययोजना के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि माननीय राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के निर्देशों के अनुपालन में प्रत्येक जिले के लिए जिला पर्यावरण योजना (डीईपी) तैयार की जाती है। एनजीटी द्वारा 26 जुलाई 2019 को पारित निर्देशों के तहत सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को प्रत्येक जिले के लिए जिला पर्यावरण योजना तैयार करने तथा उसके आधार पर राज्य पर्यावरण योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद 21 सितंबर 2020 एवं 25 नवंबर 2021 के निर्देशों में जिला पर्यावरण योजना में आर्द्रभूमि सहित पर्यावरण प्रदूषण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी शामिल करने तथा सीपीसीबी द्वारा इंगित कमियों को दूर करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि 8 फरवरी 2022 के निर्देशों के अनुसार जिला पर्यावरण योजना को नियमित रूप से अद्यतन करते हुए उसका

केंद्र स्थापित करने तथा नागरिकों को घर से ही गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण करने के लिए प्रेरित करने की योजना है। इसके साथ ही घर-घर जाकर 100 प्रतिशत कचरा संग्रहण सुनिश्चित करने तथा स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण को प्रभावी बनाने के लिए निरंतर जन-जागरूकता अभियान संचालित किए जाएंगे। कचरा संग्रहण, परिवहन एवं निपटान से संबंधित मौजूदा अधोसंरचना की नियमित निगरानी करते हुए आवश्यकतानुसार उसका रखरखाव एवं विस्तार भी किया जाएगा।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला पर्यावरण योजना समिति

जिला पर्यावरण योजना समिति का गठन एनजीटी के निर्देशों के अनुसार किया गया है। समिति के अध्यक्ष जिला मजिस्ट्रेट एवं कलेक्टर होते हैं। समिति में जिला प्रशासन के साथ पंचायत एवं नगरीय निकायों के प्रतिनिधि, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी शामिल होते हैं। समिति का प्रमुख दायित्व जिला पर्यावरण योजना का निर्माण, उसका समय-समय पर अद्यतन, प्रभावी क्रियान्वयन एवं निगरानी तथा निर्धारित पर्यावरणीय लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करना है।

सात प्रमुख विषयगत क्षेत्रों पर फोकस

जिला पर्यावरण योजना-2026 के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण से जुड़े प्रमुख विषयों को शामिल किया गया है। इनमें अपशिष्ट प्रबंधन, वायु गुणवत्ता प्रबंधन, जल गुणवत्ता प्रबंधन, खनन एवं खनन क्षेत्रों का पर्यावरण प्रबंधन, ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण, आर्द्रभूमि संरक्षण तथा वृक्षारोपण प्रबंधन प्रमुख हैं। अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट, प्लास्टिक अपशिष्ट, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट, खतरनाक एवं अन्य अपशिष्ट, ई-वेस्ट तथा निर्माण एवं विध्वंस अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया है।

● जिला पर्यावरण योजना के तहत विभिन्न अपशिष्ट एवं पर्यावरण प्रबंधन की कार्ययोजना साझा

जिला पर्यावरण योजना के अंतर्गत जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण को प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों की बिंदुवार कार्ययोजना साझा की गई। कार्ययोजना में नगरपालिका ठोस अपशिष्ट उत्पादन एवं प्रबंधन, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन, खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन, इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट प्रबंधन तथा सीएंडडी (निर्माण एवं विध्वंस) अपशिष्ट प्रबंधन को प्रमुखता से शामिल किया गया है। इसके साथ ही वायु गुणवत्ता प्रबंधन, शोर गुणवत्ता प्रबंधन, घरेलू अपशिष्ट जल प्रबंधन, खनन प्रबंधन, आर्द्रभूमि प्रबंधन एवं वृक्षारोपण प्रबंधन के लिए भी जिला स्तर पर निर्धारित कार्ययोजना की जानकारी साझा की गई। कार्ययोजना के माध्यम से विभिन्न विभागों एवं संबंधित संस्थाओं की जिम्मेदारियां निर्धारित करते हुए अपशिष्ट के वैज्ञानिक निस्तारण, प्रदूषण नियंत्रण, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा पर्यावरणीय मानकों के प्रभावी अनुपालन पर जोर दिया गया है।

बुरहानपुर में एकेडमी के किचन शेड में आग

● 2 किमी दूर तक दिखाई दिया धुआं , कोई जनहानि नहीं

मीडिया ऑडीटर,बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर के एकका क्षेत्र स्थित मेक्रो विजन एकेडमी के किचन शेड में सोमवार दोपहर आग लग गई। आग से उठता धुआं करीब दो

किलोमीटर दूर से दिखाई दे रहा था। कर्मचारियों ने फायर सेफ्टी उपकरणों की मदद से शुरुआती आग बुझाने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर नगर निगम के चार दमकल वाहन मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। आग लगने के बाद कर्मचारियों ने बालू रेत और फायर सेफ्टी बॉल की मदद से

इटारसी में 24 घंटे में शून्य बारिश, बढ़ी उमस:तवा बांध अभी 12 फीट खाली, सितंबर में अच्छी बारिश की उम्मीद

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी में सावन महीने समाप्त होने के साथ ही बारिश का सिलसिला भी थम गया है। पिछले दो दिनों से शहर और आसपास के क्षेत्रों में वर्षा नहीं होने से गर्मी और उमस बढ़ गई है। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आज मंगलवार को सुबह 8 बजे तक बीते 24 घंटों में इटारसी तहसील में शून्य मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। हालांकि, चालू मानसून सीजन में अब तक कुल 697.4 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की जा चुकी है। तवा बांध में नहीं पहुंचा अपेक्षित पानी: इस बार इटारसी और आसपास के क्षेत्रों में तेज और लगातार बारिश नहीं हुई। रुक-रुककर हुई बारिश से मौसम सुहावना जरूर रहा, लेकिन जलाशयों में अपेक्षित जलभराव नहीं हो सका। इसका असर तवा बांध के जलस्तर पर भी दिखाई दे रहा है। मंगलवार सुबह 8 बजे तवा बांध का जलस्तर 1154.20 फीट दर्ज किया गया, जबकि इसकी अधिकतम क्षमता 1166 फीट है। यानी

बांध अभी भी करीब 12 फीट खाली है। बारिश का मौसम अंतिम चरण में पहुंच चुका है, लेकिन तवा बांध में पर्याप्त पानी नहीं होने के कारण इस मानसून सीजन में अब तक एक बार भी गेट खोलने की स्थिति नहीं बनी। सामान्य तौर पर तेज बारिश और कैचमेंट क्षेत्र से

लगातार पानी आने पर बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ता है, लेकिन इस बार अपेक्षित जलभराव नहीं हो पाया। सितंबर में अच्छी बारिश की उम्मीद: हालांकि, सितंबर में बारिश की उम्मीद अभी बनी हुई है। मौसम विभाग ने इस महीने अच्छी बारिश होने के संकेत

दिए हैं। यदि आने वाले दिनों में तवा बांध के कैचमेंट क्षेत्र में जोरदार बारिश होती है, तो बांध के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में जलाशय में पानी की कमी कुछ हद तक दूर होने की उम्मीद है। जिले के अन्य प्रमुख जलाशयों में भी अभी अधिकतम क्षमता के मुकाबले कुछ कमी बनी हुई है। मंगलवार सुबह 8 बजे सेठानी घाट पर नर्मदा नदी का जलस्तर 939.90 फीट दर्ज किया गया, जबकि इसका अधिकतम स्तर 967 फीट है। वहीं बरगी बांध का जलस्तर 421.70 मीटर दर्ज हुआ, जबकि इसकी अधिकतम क्षमता 422.76 मीटर है। इसी तरह बारना बांध में मंगलवार सुबह जलस्तर 346.90 मीटर दर्ज किया गया। इसकी अधिकतम क्षमता 348.55 मीटर है। सितंबर में यदि पर्याप्त बारिश होती है तो इन जलाशयों के जलस्तर में भी सुधार होने की संभावना है। फिलहाल इटारसी में बारिश थमने के बाद बढ़ी गर्मी और उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है।

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने लंबित आवेदनों के निराकरण की गहन समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज कलेक्टर कार्यालय में आयोजित लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक में जिले में विभिन्न माध्यमों से प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति की गहन समीक्षा की। बैठक में प्रमुख रूप से सीएम हेल्पलाइन, वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त आवेदनों तथा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्रामों में आयोजित शिविरों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण संबंधी कार्यवाही का विभागावार एवं ग्रामवार जायजा लिया गया। कलेक्टर श्री गुप्ता ने प्रत्येक विभाग से संबंधित लंबित आवेदनों की स्थिति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि आवेदनों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए। उन्होंने कहा कि केवल आवेदन का निराकरण दर्ज करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि आवेदक की समस्या का वास्तविक एवं संतोषजनक समाधान होना चाहिए। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत ग्रामों में आयोजित शिविरों में प्राप्त

आवेदनों को प्राथमिकता से लेते हुए उनके निराकरण की प्रगति की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने अधिकारियों से ग्रामवार प्राप्त आवेदनों, निराकृत आवेदनों तथा लंबित प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की और जिन प्रकरणों में विभागीय स्तर पर कार्यवाही अपेक्षित है, उनमें शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं का लाभ आम नागरिकों तक पहुंचाने के साथ-साथ उनकी

समस्याओं का स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। इसलिए शिविरों में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग द्वारा समयबद्ध कार्रवाई की जाए। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निराकरण में अनावश्यक विलंब न हो। उन्होंने उच्च स्तर पर लंबित अथवा बार-बार प्राप्त हो रही शिकायतों की विशेष निगरानी करने तथा संबंधित अधिकारियों द्वारा व्यक्तिगत रुचि लेकर उनका समाधान सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इसी प्रकार वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त पत्रों एवं आवेदनों पर की गई कार्रवाई की भी विभागावार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त प्रकरणों में समय-सीमा का विशेष ध्यान रखा जाए तथा कार्रवाई की अद्यतन जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए। बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देशित

किया कि लंबित आवेदनों के निराकरण में विभागीय समन्वय के साथ-साथ ग्राम स्तर पर वास्तविक स्थिति का सत्यापन भी किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन मामलों में मौके पर जांच अथवा भौतिक सत्यापन आवश्यक है, वहां संबंधित अधिकारी स्वयं अथवा अधिकृत दल के माध्यम से जांच कराकर ही प्रकरण का निराकरण करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों को शासकीय सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ दिलाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए सभी अधिकारी अपने-अपने विभाग से संबंधित लंबित आवेदनों की नियमित समीक्षा करते हुए उनका त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर के बतवा साभागार कक्ष में सम्पन्न हुई उक्त बैठक में पूर्व उल्लेखित 26 विभागों के अधिकारियों ने अनुविभाग स्तर से वहीसी के माध्यम से तथा साभागार कक्ष में मौजूद अन्य विभागों के अधिकारियों ने विभाग से संबंधित अद्यतन प्रगति की जानकारीयां साझा की है।

गुरनूर बरार ने बताया अपना प्लान

बुमराह-सिराज से सीख कर सभी फॉर्मेट में खेलने वाला बॉलर बनना लक्ष्य



बेंगलुरु,एजेसी। भारत के तेज गेंदबाज गुरनूर बरार का कहना है कि पिछले तीन महीनों में सीनियर तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ बॉलिंग करने से उन्हें अपनी लेंथ में निरंतरता (कंसिस्टेंसी) लाने में मदद मिली है। अब उनका लक्ष्य एक ऐसा तेज गेंदबाज बनना है जो सभी फॉर्मेट में खेल सके और ज्यादा वर्कलोड संभाल सके। बरार ने अपने नेशनल करियर की ठीक-ठाक शुरुआत की है। उन्होंने 6 वनडे मैचों में 11 विकेट लिए हैं और उनकी इकॉनमी रेट लगभग 7 रही है। लेकिन 26 साल के बरार को लगता है कि अफगानिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान नेशनल टीम के साथ समय बिताने और लेंथ के बारे में नई जानकारी मिलने के बाद वह इसमें और सुधार कर सकते हैं। दलीप ट्रॉफी (जिसमें वह नॉर्थ जोन के लिए खेल रहे हैं) के दौरान चुनिंदा मीडिया से बात करते हुए बरार ने कहा, ‘मुझे इंडिया टीम में इसलिए चुना गया क्योंकि मैं रणजी ट्रॉफी और इंडिया ए के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहा था। लेकिन मैं और सीखना चाहता था कि अपनी लेंथ में कैसे ज्यादा कंसिस्टेंट रहूं और किस बल्लेबाज के खिलाफ किस तरह की लेंथ पर बॉलिंग करू, यही मेरा लक्ष्य था।’ उन्होंने कहा, ‘शुरू से ही मेरा एक ही लक्ष्य रहा है। मुझे अपने शरीर को इस तरह तैयार करना है कि चाहे मैं कितने भी ओवर या कितनी भी गेंदें फेंकूं, मेरे शरीर पर कोई बुरा असर न पड़े। मुझे बॉलिंग करने में मजा आता है।’ भारत के हेड कोच गौतम गंभीर, बॉलिंग कोच मोनै मोर्केल और बुमराह जैसे सीनियर साथियों के साथ बातचीत से उन्हें अपनी बॉलिंग को बेहतर बनाने में मदद मिली। उन्होंने कहा, ‘मैं कहूंगा कि मोनै सर और गंभीर सर के साथ बातचीत के बाद एक बॉलर के तौर पर मुझमें काफी सुधार हुआ है। जाहिर है, बूम (बुमराह) भाई, सिराज भाई, प्रसिद्ध (कृष्णा) भाई को खेलते हुए देखने और उनसे बात करने का अनुभव बहुत अच्छा रहा है।’ उन्होंने कहा, ‘जब आप उन्हें करीब से देखते हैं कि वे खुद को कैसे तैयार करते हैं और लगातार बल्लेबाजों पर कैसे हमला करते हैं, तो बहुत मजा आता है और बहुत कुछ सीखने का मिताता है। मैं भी अपने करियर में ऐसा ही करने और सभी फॉर्मेट में खेलने वाला बॉलर बनने की कोशिश कर रहा हूं।’ तो, क्या उन्हें उनसे कोई खास सलाह मिली? उन्होंने कहा, ‘जिस वजह से आप इस सेटअप में आए हैं...उसे बदलें नहीं। लेकिन, जाहिर है कि आपको पता होना चाहिए कि किन हालात में कैसी गेंदबाजी करनी है। इसके अलावा अपनी पैस और लेंथ पर टिके रहें; अनुभव और ज्यादा मैच खेलने के साथ इसमें सुधार होगा।’ सुधार पहले ही दिखने लगा है, क्योंकि बरार ने गॉल और कोलंबो में श्रीलंका ए और SLC XI के खिलाफ दो मल्टी-डे मैचों में 13 विकेट लिए हैं।

ओडिशा टी20 लीग CM ट्रॉफी की वापसी

बाराबती स्टेडियम में खिताब के लिए भिड़ंगी टीमें

भुवनेश्वर (ओडिशा), एजेसी। ओडिशा क्रिकेट में एक और रोमांचक अध्याय शुरू होने वाला है।ओडिशा टी20 लीग हरद्वोंफी की वापसी हो रही है जिसमें छह टीमों के कट के मशहूर बाराबती स्टेडियम में 20 से 29 सितंबर तक खिताब के लिए मुकाबला करंगी। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस टूर्नामेंट का नाम हरद्वोंफी रखा गया है। यह नाम ओडिशा में क्रिकेट और खेलों के विकास और प्रचार-प्रसार के प्रति मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के विजन और समर्थन को दर्शाता है। यह टूर्नामेंट राज्य के उभरते हुए क्रिकेटरों को बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का एक शानदार मौका देगा। ओडिशा क्रिकेट एसोसिएशन के प्राधिकारियों की मौजूदगी में ट्रॉफी का अनावरण किया गया जिससे टूर्नामेंट के दूसरे संस्करण की औपचारिक शुरुआत हुई। इस कार्यक्रम में हज़ के अध्यक्ष पंकज लोचन मोहंती, संयुक्त सचिव प्रभात भोल, कोषाध्यक्ष विकास प्रधान और एपेक्स काउंसिल सदस्य प्रताप चंद प्रधान शामिल हुए। इसमें भाग लेने वाली 6 टीमों के पैथर्स, भुवनेश्वर टाइगरर्स, राउरकेला स्टीलर्स, वयोझर माइनर्स, पुरी टाइटन्स और संबलपुर वॉरियर्स हैं। 17 मैचों वाले इस टूर्नामेंट से पहले 6 सितंबर को खिलाड़ियों का ड्राफ्ट होगा। पिछले संस्करण में कटक पैथर्स चैंपियन बनी थी। अब ये छह टीमों उसी मुकाबले को आगे बढ़ाते हुए नए सीजन में ट्रॉफी जीतने की कोशिश करंगी। ओडिशा के युवा क्रिकेटरों के लिए यह लीग राज्य के सबसे मशहूर स्टेडियमों में से एक कटक के बाराबती स्टेडियम में पलडलाइट्स के नीचे प्रतिस्पर्धी टी20 क्रिकेट खेलने का मौका देगी। अनुभवी खिलाड़ियों, कोचों और फ्रैंचाइजी के सहयोग से उम्मीद है कि यह टूर्नामेंट युवाओं को मैच का बहुमूल्य अनुभव हासिल करने और अपने करियर में आगे बढ़ने में मदद करेगा। टूर्नामेंट के बारे में बात करते हुए ओडिशा क्रिकेट एसोसिएशन के प्रेसिडेंट पंकज लोचन मोहंती ने कहा, ‘ओडिशा टी20 लीग हरद्वोंफी राज्य में क्रिकेट इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। हमारा ध्यान न केवल एक कॉम्पिटिटिव टूर्नामेंट आयोजित करने पर है, बल्कि एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाने पर भी है जहां युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन कर सकें, सीख सकें और आगे बढ़ सकें। हम चाहते हैं कि ओडिशा के टैलेंटेड क्रिकेटरों को अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी एक्स्पोजर मिले।’

भारतीय ओपनर ने साइन की डील, डरहम के साथ काउंटी चैंपियनशिप में खेलेंगे चार मैच

चेस्टर-ले-स्ट्रीट, एजेसी। इंग्लिश काउंटी क्लब ने घोषणा की कि भारत के ओपनर मयंक अग्रवाल ने काउंटी चैंपियनशिप डिविजन टू सीजन के आखिरी चरण के लिए डरहम के साथ चार मैचों का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। 35 साल के अग्रवाल हेड कोच रयान कैपबेल की टीम में शामिल हो रहे हैं ताकि डिविजन टू में टीम के प्रमोशन की कोशिश को मजबूत किया जा सके। इसकी शुरुआत सिंच काउंटी ग्राउंड पर नॉर्थम्प्टनशायर के खिलाफ होने वाले मैच से होगी। अग्रवाल दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड बेडिंगहम की जगह लेंगे, जो घर पर प्रोटेियाज पुरुषों के इंटरनेशनल रेड-बॉल समर सीजन की तैयारी के लिए स्वदेश लौट गए हैं।

क्लब द्वारा जारी बयान में कैपबेल ने कहा, ‘हमें खुशी है कि मयंक काउंटी चैंपियनशिप के आखिरी दौर के लिए हमारे साथ जुड़ रहे हैं। डेविड बेडिंगहम के इंटरनेशनल रेड-बॉल समर से पहले दक्षिण अफ्रीका लौटने के कारण, यह जरूरी था कि हम सीजन के बाकी हिस्से के



लिए एक बेहतरीन इंटरनेशनल क्रिकेटर को टीम में शामिल करें।’

मयंक ने भारत के लिए 21 टेस्ट मैच खेले हैं और 1488 रन बनाए हैं। इसमें चार शतक

शामिल हैं जिसमें 2019 में इंदौर में बांग्लादेश के खिलाफ बनाया गया 243 रन का उनका

हार्दिक पांड्या की भारतीय टीम में वापसी का इंतजार बढ़ा, रिकवरी के दौरान फिर लगी चोट

नई दिल्ली, एजेसी। हार्दिक पांड्या की भारतीय टीम में वापसी की राह में एक और रुकावट आ गई है। पैर में नई समस्या के कारण उनके अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की ३20वृ सीरीज से बाहर रहने का खतरा पैदा हो गया है। ३२हृ की रिपोर्ट के अनुसार पांड्या अपनी रिकवरी के दौरान सब कुछ सही कर रहे थे, लेकिन आखिरी समय में आई एक नई समस्या ने उनकी उपलब्धता पर फिर से संदेह पैदा कर दिया है।

उम्मीद है कि चयनकर्ता इस हफ्ते नई दिल्ली में 13 सितंबर से शुरू होने वाली ३20वृ सीरीज के लिए टीम को अंतिम रूप देने के लिए बैठक करेंगे और उन्हें जल्द ही बेंगलुरु में मौजूद खिलाड़ियों की फिटनेस स्थिति के बारे में अपडेट मिलेगा। ३२हृ ने सूत्र के हवाले से रिपोर्ट में कहा, ‘हार्दिक पांड्या बिना किसी परेशानी के पूरी तीव्रता के साथ ट्रेनिंग कर रहे थे, लेकिन पैर में तकलीफ के कारण उन्हें



बॉलिंग रोकने की सलाह दी गई है। वह जल्द ही फिर से शुरू करेंगे, लेकिन अफगानिस्तान सीरीज के

लिए जरूरी फिटनेस स्तर तक पहुंचने के लिए समय बहुत कम है। वैंटिंग और मूवमेंट के मामले में कोई

● भारत के लिए 8 मार्च को खेला था आखिरी मैच-पांड्या का प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर रहने का सिलसिला पहले ही काफी लंबा हो चुका है। उन्होंने आखिरी बार 24 मई को **डुबळ** में मुंबई इंडियंस के लिए खेला था, और भारत के लिए उनका सबसे हालिया मैच 8 मार्च को टी20 वर्ल्ड कप फाइनल था। तब से वह अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की घरेलू **व्हाइट-बॉल** सीरीज के साथ-साथ आयरलैंड और इंग्लैंड के दौरों से भी चूक गए हैं। अब इस नई चोट के कारण उनके बाहर रहने का सिलसिला और भी लंबा होता दिख रहा है। यह पहली बार नहीं है जब आखिरी समय में लगी चोट ने उनके वापसी के प्लान में बाधा डाली है।

बड़ी समस्या नहीं थी, लेकिन ‘ऑल-क्लियर’ देने से पहले **इथथ** को पूरी तरह से आवश्यक होना होगा।’

लियोनेल मेस्सी ने लिया संन्यास

अर्जेंटीना के साथ 21 साल के सफर में हासिल की कई उपलब्धियां

व्युनस (अर्जेंटीना), एजेसी। सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक लियोनेल मेस्सी ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की और इस तरह से यह स्टार स्ट्राइकर अब अर्जेंटीना की तरफ से खेलाता हुआ नहीं दिखेगा। मेस्सी ने अर्जेंटीना की तरफ से 21 साल के अपने सफर में कई उपलब्धियां हासिल कीं। आइए इन पर एक नजर डालते हैं -एक : मेस्सी ने एक बार 2022 में कतर में विश्व कप जीता है। उनके रहते हुए अर्जेंटीना की टीम दो बार 2014 और 2026 में फाइनल में पहुंची थी, जहां उसे क्रमशः जर्मनी और स्पेन से हार का सामना करना पड़ा था।



छह : मेस्सी ने छह विश्व कप (2006, 2010, 2014, 2018, 2022 और 2026) में हिस्सा लिया, जो उनके लंबे समय के प्रतिद्वंद्वी क्रिस्तियानो रोनाल्डो के बराबर है।

21 : मेस्सी ने छह विश्व कप में कुल 21 गोल किए। वह फ्रांस

पदार्पण करने के 21 साल बाद संन्यास लिया। उस मैच में वह मुश्किल से एक मिनट खेल पाए थे। उन्हें एक प्रतिद्वंद्वी को कोहनी मारने के लिए मैदान से बाहर भेज दिया गया था। 125 : मेस्सी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 125 गोल किए हैं, जो अर्जेंटीना के किसी भी अन्य खिलाड़ी द्वारा किए गए गोल की संख्या से दोगुने से भी अधिक है। पिछला रिकॉर्ड गैब्रियल बॉतिस्तुता के नाम था, जिन्होंने 1991 से 2002 तक 78 मैचों में 54 गोल किए थे।

पुरुष अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक गोल करने का रिकॉर्ड क्रिस्तियानो रोनाल्डो (146 गोल) के नाम पर दर्ज है।

शार्दुल ठाकुर को कप्तानी से हटाया, मध्यक्रम के अनुभवी बल्लेबाज को मिली मुंबई रणजी टीम की कमान

मुंबई, एजेसी। मध्यक्रम के अनुभवी बल्लेबाज सिद्धेश लाड को आगामी रणजी ट्रॉफी सत्र के लिए शार्दुल ठाकुर की जगह मुंबई का कप्तान नियुक्त किया गया है। ठाकुर को कार्यभार प्रबंधन के तहत इस पद से हटाया गया। ठाकुर ने 2025-26 सत्र के लिए अजिंक्य रहाणे की जगह मुंबई की कप्तानी संभाली थी, जिसमें 42 बार की रणजी ट्रॉफी विजेता टीम क्वार्टर फाइनल में ही बाहर हो गई थी। रणजी सत्र की शुरुआत 11 अक्टूबर को होगी और मुंबई की टीम अपने पहले मैच में चंडीगढ़ से भिड़ेगी। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के एक शीर्ष अधिकारी ने लाड की नियुक्ति की पुष्टि की है। 34 वर्षीय लाड बीच में मुंबई को छोड़कर गोवा चले गए थे। उन्होंने एक साल की ‘कुल ऑफ’ अवधि पूरी करने के बाद 2024-25 में मुंबई की टीम में वापसी की थी। पिछले रणजी ट्रॉफी सत्र में उन्होंने आठ मैचों में 77.40 की औसत से 774 रन बनाए, जिसमें पांच शतक और एक अर्धशतक शामिल है।



आगाजी वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की 17 सदस्यीय टीम का ऐलान

दो बड़े खिलाड़ियों की वापसी, लाबुशेन बाहर

सिडनी, एजेसी। इस महीने के आखिर में जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की 17 सदस्यीय टीम का ऐलान किया गया है जिसमें कप्तान मिशेल मार्श और उनके साथी सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड को शामिल किया गया है जबकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को बाहर कर दिया गया है। मार्श और हेड इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान और बांग्लादेश में वनडे सीरीज में नहीं खेल पाए थे। ऑस्ट्रेलिया के लिए 15 सितंबर से शुरू होने वाला यह दौर काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि अगले साल दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में वनडे विश्व कप खेला जाएगा। तेज गेंदबाज पैट कर्मिस और मिशेल स्टार्क

की जोड़ी जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली सीरीज में नहीं खेल पाएगी और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में शामिल होगी। युवा खिलाड़ी जोएल डेविस और ओली पीक ने पाकिस्तान और बांग्लादेश में अच्छे प्रदर्शन के बाद टीम में अपनी जगह बनाए रखी है। जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन वनडे मैच 15, 18 और 20 सितंबर को हारो में खेले जाएंगे। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज डरबन (24 सितंबर), जोहान्सबर्ग (27 सितंबर) और पोर्टचेफस्टूम (30 सितंबर) में खेली जाएगी। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैच खेलेगी।



अब तक का सबसे बड़ा स्कोर भी शामिल है। उन्होंने 5 वनडे मैच भी खेले हैं और 86 रन बनाए हैं। कैपबेल ने आगे कहा, ‘मयंक बहुत प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं और उनका फर्स्ट-क्लास रिकॉर्ड शानदार रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि वह डरहम के लिए अच्छा योगदान देंगे क्योंकि हम काउंटी चैंपियनशिप के डिविजन वन में वापसी करने की कोशिश कर रहे हैं।’ अग्रवाल को इंग्लिश काउंटीस में खेलने का अनुभव भी है, उन्होंने 2025 काउंटी चैंपियनशिप सीजन के आखिरी दौर में यॉर्कशायर का प्रतिनिधित्व किया था। उस दौर में अग्रवाल ने यॉर्कशायर के लिए 201 रन बनाए थे जिसमें उनकी आखिरी पारी में डरहम के खिलाफ मैच जिताने वाली 175 रनों की पारी खास थी। रेड-बॉल क्रिकेट में अपनी उपलब्धियों के अलावा (जहां वह अपने फर्स्ट-क्लास करियर में 9,000 रन (21 शतकों सहित) के करीब पहुंच रहे हैं) बेंगलुरु में जन्मे अग्रवाल ने छह इंडियन प्रीमियर लीग फ्रैंचाइजी का प्रतिनिधित्व करते हुए टी20

क्रिकेट में 5,000 से ज्यादा रन बनाए हैं। वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की 2025 **डुबळ** खिताब जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे, जहां उन्होंने चोटिल देवदत्त पडिक्कल की जगह ली थी। डरहम अभी डिवीजन टू की पॉइंट्स टेबल में सबसे ऊपर है और मौजूदा घरेलू सीजन के आखिरी महीने में डिवीजन वन में वापसी करने के लक्ष्य के साथ अग्रवाल के टॉप-ऑर्डर अनुभव पर भरोसा करेंगे। अग्रवाल उन कई भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जो अभी इंग्लिश घरेलू सीजन में खेल रहे हैं। श्रीलंका के टेस्ट दौर पर 16 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार वार्विकशायर के साथ फिर से जुड़ रहे हैं जबकि बाएं हाथ के लिस्ट स्पिनर कुलदीप यादव यॉर्कशायर के लिए खेलेंगे। सरे की टीम में भारत के लेग-स्पिनर राहुल चाहर और अनकैड बैटिंग ऑलराउंडर महिपाल लोमरार शामिल हैं और उम्मीद है कि तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर आक्रिब नबी भी टीम का हिस्सा होंगे।

अब तक का सबसे बड़ा स्कोर भी शामिल है। उन्होंने 5 वनडे मैच भी खेले हैं और 86 रन बनाए हैं। कैपबेल ने आगे कहा, ‘मयंक बहुत प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं और उनका फर्स्ट-क्लास रिकॉर्ड शानदार रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि वह डरहम के लिए अच्छा योगदान देंगे क्योंकि हम काउंटी चैंपियनशिप के डिविजन वन में वापसी करने की कोशिश कर रहे हैं।’ अग्रवाल को इंग्लिश काउंटीस में खेलने का अनुभव भी है, उन्होंने 2025 काउंटी चैंपियनशिप सीजन के आखिरी दौर में यॉर्कशायर का प्रतिनिधित्व किया था। उस दौर में अग्रवाल ने यॉर्कशायर के लिए 201 रन बनाए थे जिसमें उनकी आखिरी पारी में डरहम के खिलाफ मैच जिताने वाली 175 रनों की पारी खास थी। रेड-बॉल क्रिकेट में अपनी उपलब्धियों के अलावा (जहां वह अपने फर्स्ट-क्लास करियर में 9,000 रन (21 शतकों सहित) के करीब पहुंच रहे हैं) बेंगलुरु में जन्मे अग्रवाल ने छह इंडियन प्रीमियर लीग फ्रैंचाइजी का प्रतिनिधित्व करते हुए टी20

क्रिकेट में 5,000 से ज्यादा रन बनाए हैं। वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की 2025 **डुबळ** खिताब जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे, जहां उन्होंने चोटिल देवदत्त पडिक्कल की जगह ली थी। डरहम अभी डिवीजन टू की पॉइंट्स टेबल में सबसे ऊपर है और मौजूदा घरेलू सीजन के आखिरी महीने में डिवीजन वन में वापसी करने के लक्ष्य के साथ अग्रवाल के टॉप-ऑर्डर अनुभव पर भरोसा करेंगे। अग्रवाल उन कई भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जो अभी इंग्लिश घरेलू सीजन में खेल रहे हैं। श्रीलंका के टेस्ट दौर पर 16 विकेट लेने वाले बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार वार्विकशायर के साथ फिर से जुड़ रहे हैं जबकि बाएं हाथ के लिस्ट स्पिनर कुलदीप यादव यॉर्कशायर के लिए खेलेंगे। सरे की टीम में भारत के लेग-स्पिनर राहुल चाहर और अनकैड बैटिंग ऑलराउंडर महिपाल लोमरार शामिल हैं और उम्मीद है कि तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर आक्रिब नबी भी टीम का हिस्सा होंगे।

मध्यप्रदेश में शिक्षा पर बड़ा फोकस: 2028 तक 55 मेडिकल कॉलेज और 10 हजार यूजी सीटों का लक्ष्य, मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप की राशि



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार शिक्षा को प्रदेश के भविष्य में किया जाने वाला निवेश मानती है स्कूल शिक्षा से लेकर उच्च, तकनीकी और चिकित्सा शिक्षा तक अधोसंरचना विकसित करने के साथ विद्यार्थियों को आधुनिक संसाधनों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है राज्य सरकार ने

वर्ष 2028 तक प्रदेश में कुल 55 मेडिकल कॉलेज और 10 हजार स्नातक (यूजी) सीटें उपलब्ध करने का लक्ष्य निर्धारित किया है मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में स्कूल शिक्षा विभाग के लिए 36 हजार 730 करोड़ रुपये, उच्च शिक्षा विभाग के लिए 4 हजार 247 करोड़ रुपये और तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के लिए 2 हजार 932

करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में भी संस्थानों और सीटों की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है, ताकि प्रदेश के विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा के लिए दूसरे राज्यों पर निर्भर न रहना पड़े। **55 मेडिकल कॉलेज का लक्ष्य:** डॉ. यादव ने कहा कि आजादी के बाद शुरूआती 55 वर्षों में प्रदेश में केवल पांच मेडिकल कॉलेज थे वर्तमान में

निजी और शासकीय संस्थानों को मिलाकर प्रदेश में कुल 33 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं एमबीबीएस की सीटों की संख्या भी बढ़कर साढ़े छह हजार से अधिक हो चुकी है सरकार ने वर्ष 2028 तक 55 मेडिकल कॉलेज और 10 हजार यूजी सीटों का लक्ष्य रखा है मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों को स्कूल स्तर से ही बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें, ड्रेस, साइकिल, लैपटॉप और स्कूटी जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। सरकार का प्रयास है कि आर्थिक स्थिति किसी विद्यार्थी की शिक्षा में बाधा न बने।

द्वितीय बोर्ड परीक्षा से विद्यार्थियों को मिलेगा दूसरा मौका: मुख्यमंत्री ने कहा कि बोर्ड परीक्षाओं में अपेक्षित परिणाम नहीं आने पर पहले विद्यार्थियों का पूरा वर्ष प्रभावित हो जाता था विद्यार्थियों के हित में अब कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में द्वितीय मुख्य परीक्षा का अवसर उपलब्ध कराया गया है इस व्यवस्था से विद्यार्थी अपने

अंकों में सुधार कर सकते हैं और परीक्षा में सफल नहीं होने की स्थिति में भी बिना पूरा वर्ष गंवाए दोबारा प्रयास कर सकते हैं मुख्यमंत्री ने कहा कि यह व्यवस्था विद्यार्थियों को निराशा से बचाने और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप की राशि: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेधावी विद्यार्थियों से संवाद भी किया और उनके भविष्य के सपनों के बारे में जानकारी ली विद्यार्थियों ने राजनीति, चिकित्सा, अकाउंटिंग और अन्य क्षेत्रों में करियर बनाने की इच्छा व्यक्त की मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ज्ञान और कौशल सफलता के महत्वपूर्ण आधार हैं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बताया कि कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए लैपटॉप की राशि दी जा रही है

प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत अब तक करीब 6.50 लाख विद्यार्थियों को 1,620 करोड़ रुपये लैपटॉप के लिए उनके खातों में भेजे जा चुके हैं उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में पिछले तीन वर्षों से प्रवेश दर में वृद्धि हुई है और सरकार के प्रयासों से ड्रॉपआउट दर शून्य होने का दावा किया गया है प्रदेश में करीब 18 हजार रिक्त शिक्षक पदों पर भर्ती की प्रक्रिया भी जारी है।

बजट बढ़ाकर 4.38 लाख करोड़ रुपये किया: मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने कोई नया कर लगाए बिना प्रदेश का बजट बढ़ाकर 4 लाख 38 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाया है इसमें स्कूल शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, उच्च शिक्षा तथा तकनीकी शिक्षा के लिए पर्याप्त प्रावधान किए गए हैंउन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती का अभियान लगातार जारी है मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को बड़े लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया।

एकेएस यूनिवर्सिटी के डॉ. विपुल शर्मा और दीक्षा मिश्रा का शोध अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। एकेएस यूनिवर्सिटी, सतना के वाणिज्य विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विपुल शर्मा और दीक्षा मिश्रा का संयुक्त शोध पत्र प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल इंटरनेशनल जर्नल ऑफ वर्सेटाइल रिसर्च एंड एनालिसिस (IJVRA) के अगस्त 2026 अंक में प्रकाशित हुआ है शोध पत्र जर्नल के वॉल्यूम 4, इश्यू 8 में प्रकाशित किया गया है दोनों शिक्षकों द्वारा तैयार शोध पत्र का शीर्षक A Conceptual Analysis of Current Patterns and Prospects for Future Development in Indian Online Retail है शोध में भारत के तेजी से विस्तार कर रहे ऑनलाइन रिटेल क्षेत्र के मौजूदा स्वरूप, उपभोक्ताओं के बदलते व्यवहार और भविष्य में इस क्षेत्र के विकास की संभावनाओं का विश्लेषण किया गया है।



बदलते स्वरूप पर अध्ययन: शोध पत्र में भारतीय ऑनलाइन रिटेल बाजार में उभरते रहानों और उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं को प्रमुखता से अध्ययन किया गया है शोधकर्ताओं ने ऑनलाइन खरीदारी के बढ़ते प्रभाव, उपभोक्ता व्यवहार में हो रहे बदलाव तथा भविष्य में डिजिटल रिटेल क्षेत्र के सामने मौजूद

संभावनाओं और चुनौतियों का विश्लेषण प्रस्तुत किया हैशोध का उद्देश्य भारतीय ऑनलाइन रिटेल क्षेत्र के वर्तमान पैटर्न को समझने के साथ-साथ भविष्य के विकास की संभावित दिशाओं पर अकादमिक दृष्टिकोण उपलब्ध करना है बदलते डिजिटल बाजार और तकनीकी विकास के दौर में ऑनलाइन रिटेल के विस्तार को देखते हुए शोध को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। **विश्वविद्यालय परिवार ने दी बधाई:** शोध पत्र के अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित होने पर एकेएस यूनिवर्सिटी परिवार एवं दोनों शिक्षकों के सहयोगियों ने डॉ. विपुल शर्मा और दीक्षा मिश्रा को बधाई दी जर्नल के अगस्त 2026 अंक में प्रकाशित यह शोध पत्र दोनों शिक्षकों की अकादमिक एवं शोध गतिविधियों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंचीं पूर्व विधायक कल्पना वर्मा, राहत व्यवस्था तेज करने की मांग



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले की रैगांव विधानसभा क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं इसी बीच कांग्रेस की पूर्व विधायक कल्पना वर्मा ने मंगलवार को बाढ़ प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया उन्होंने

भैंसवार, इटमा, सुसुवार और घुघुवार गांव पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं दौरे के दौरान ग्रामीणों ने पूर्व विधायक को बारिश और बाढ़ से उत्पन्न परेशानियों की जानकारी दी ग्रामीणों के मुताबिक कई परिवारों के घरों में पानी और मलबा भर गया है। इससे घर में रखा राशन,

कपड़े और अन्य घरेलू सामान भी प्रभावित हुआ है प्रभावित परिवारों ने प्रशासन से तत्काल राहत और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करने की मांग रखी। कल्पना वर्मा ने बाढ़ प्रभावित लोगों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझा उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में प्रभावित परिवारों को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और उनकी हरसंभव मदद के लिए प्रयास किए जाएंगे उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को संबंधित स्तर तक पहुंचाया जाएगा। **राहत सामग्री और पेयजल उपलब्ध कराने की मांग:** पूर्व विधायक ने जिला प्रशासन से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता देने की मांग की। उन्होंने प्रभावित परिवारों तक

राहत सामग्री, भोजन, स्वच्छ पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने की अपील की उन्होंने कहा कि बाढ़ और जलभराव से प्रभावित परिवारों को तत्काल सहायता की जरूरत है प्रशासन को मौके की स्थिति का लगातार आकलन करते हुए जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंचानी चाहिए राहत और बचाव कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। पूर्व विधायक ने कहा कि प्राकृतिक आपदा की स्थिति में जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है कि प्रभावित लोगों को समय पर राहत मिले उन्होंने ग्रामीणों से भी प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करने की अपील की।

सतना में दर्दनाक सड़क हादसा: तेज रफ्तार बस की टक्कर से पिता-पुत्र की मौत, पत्नी गंभीर घायल



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में मंगलवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई, जबकि महिला गंभीर रूप से घायल हो गई सतना-उचेहरा मार्ग पर शहखवाह ढाबे के पास तेज रफ्तार बस ने स्कूटी को टक्कर मार दी टक्कर के बाद परिवार सड़क पर कुछ दूरी तक घिसटता चला गया हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और अफरा-तफरी का माहौल बन

गया पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान 33 वर्षीय धीरज कुशवाहा और उनके 8 वर्षीय बेटे अयांस के रूप में हुई है हादसे में धीरज की पत्नी सुनीता कुशवाहा घायल हुई हैं उन्हें गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती करया गया है जानकारी के अनुसार इचौली निवासी धीरज कुशवाहा अपनी पत्नी और बेटे के साथ स्कूटी से ससुपल जसो जा रहे थे परिवार उचेहरा की ओर से मैहर की तरफ जा रहा था इसी दौरान

शहखवाह ढाबे के पास सामने से आ रही बस ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जोरदार थी कि स्कूटी सवार परिवार सड़क पर काफी दूर तक घिसटता चला गया पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हुए और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई।

घुड़घटा के बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए वायरल वीडियो में हादसे के बाद की स्थिति दिखाई दे रही है, जिसमें परिजन और आसपास मौजूद लोग मदद के लिए प्रयास करते नजर आते हैं घटना के बाद महिला और परिजन सामने में थे हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस सड़क पर पहुंची और स्थिति संभाली। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। उचेहरा थाना प्रभारी सतीश मिश्रा के अनुसार हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची पिता-पुत्र के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है हादसे में शामिल बस को जब्त कर लिया गया है।

चित्रकूट बाढ़ पीड़ितों की मदद को आगे आए महापौर योगेश ताम्रकार, दो वाहन राहत सामग्री लेकर रवाना



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चित्रकूट में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित परिवारों की परेशानियों को देखते हुए सतना महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने मानवीय पहल करते हुए व्यक्तिगत स्तर पर राहत सामग्री से भरे दो वाहन चित्रकूट के लिए रवाना किए राहत सामग्री का उद्देश्य बाढ़ प्रभावित और जरूरतमंद परिवारों तक वैस्तुक उपयोग की आवश्यक वस्तुएं पहुंचाना है राहत सामग्री में 5

क्विंटल गेहूं, 2 क्विंटल चावल, 2 क्विंटल चना, 500 टी-शर्ट, 1000 जोड़ी जूते, 1000 महिला-पुरुष अंडरगार्मेंट्स, 1000 तौलिये और 50 रेनकोट सहित अन्य जरूरी सामान शामिल है। उपलब्ध कराई गई सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपये बताई गई है। **जिला प्रशासन के माध्यम से पहुंचेगी राहत:** राहत सामग्री चित्रकूट पहुंचने के बाद जिला प्रशासन के माध्यम से जिला पंचायत सीईओ शैलेंद्र सिंह को

सौंपी जाएगी इसके बाद प्रशासन द्वारा सामग्री को बाढ़ से प्रभावित और जरूरतमंद परिवारों तक वितरित किया जाएगा महापौर योगेश ताम्रकार ने इससे पहले भी बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता के लिए पहल की थी उनके द्वारा सेवा संकल्प के माध्यम से 1000 भोजन पैकेट चित्रकूट भेजे गए थे अब दो वाहनों में राहत सामग्री भेजकर उन्होंने प्रभावित परिवारों तक राहत मिले उन्होंने ग्रामीणों से भी प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा संबंधी निर्देशों का पालन करने की अपील की।



मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट (निप्र)। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी पर बना करीब 44 साल पुराना हनुमान ब्रिज हाल ही में आई बाढ़ में बह जाने के बाद

आवागमन बहाल करने की कवायद तेज हो गई है श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की परेशानी को देखते हुए लोक निर्माण विभाग सेतु निगम ने वैकल्पिक

व्यवस्था के तौर पर मंदाकिनी नदी पर अस्थाई पीपा पुल (पॉन्टू ब्रिज) बनाने की योजना तैयार की है इसे दीपावली से पहले तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है सोमवार को भोपाल से पीडब्ल्यूडी सेतु निगम के चीफ इंजीनियर गोपाल सिंह और रीवा से संभागीय कार्यपालन यंत्री एसपी तिवारी चित्रकूट पहुंचे अधिकारियों ने बाढ़ से क्षतिग्रस्त हनुमान ब्रिज और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया वर्तमान में मंदाकिनी नदी का जलस्तर अधिक होने के कारण पुल के पिलरों की स्थिति का विस्तृत निरीक्षण नहीं किया जा सका।

पानी उतरने के बाद पिलरों की होगी जांच: अधिकारियों के

मुताबिक नदी का पानी कम होने के बाद हनुमान ब्रिज के पिलरों की वास्तविक स्थिति का तकनीकी परीक्षण किया जाएगा जांच में यदि पिलर मजबूत और सुरक्षित पाए जाते हैं तो उन्हें आधार बनाकर नए स्िर से कंक्रीट स्लैब डालकर स्थायी पुल तैयार करने की संभावना है हालांकि, स्थायी पुल के निर्माण में करीब 8 महीने या उससे अधिक समय लग सकता है ऐसे में जब तक स्थायी समाधान तैयार नहीं होता, तब तक पीपा पुल के जरिए आवागमन बहाल करने की योजना है प्रशासन का उद्देश्य है कि व्योहारों के दौरान चित्रकूट आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को आवागमन में ज्यादा परेशानी न हो।

दीपावली से पहले राहत देने की तैयारी: चित्रकूट धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्र है दीपावली के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में पीपा पुल को जल्द तैयार करने की योजना को महत्वपूर्ण माना जा रहा है अधिकारियों ने वैकल्पिक मार्ग और पुल निर्माण से जुड़ी तकनीकी संभावनाओं का भी जायजा लिया पीपा पुल तैयार होने से स्थानीय लोगों के साथ हनुमान धारा की ओर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को राहत मिलने की उम्मीद है हालांकि इसकी क्षमता और उपयोग को लेकर अंतिम व्यवस्था तकनीकी निरीक्षण एवं प्रशासनिक निर्णय के आधार पर तय की जाएगी।